तापमान
अधिकतम 34 .5 डिग्री
न्यूनतम 23 .0 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार, 7 सितंबर, 2025

12 बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत पैकेज जारी करे सरकार

12 शिविर में 53 लोगों ने रक्तदान कर कमाया पुण्य

खबर संक्षेप

कुरुक्षेत्र। लाडवा अस्पताल में भर्ती घायल आरोपी।

पुलिस मुठभेड़ में घायल आरोपी किया गिरफ्तार

लाडवा। गांव बकाली के नजदीक पुलिस मुठभेड़ में घायल आरोपी को पुलिस ने शामिल तफ्तीश किया है। मुठभेड़ के दौरान आरोपी के पांव पर गोली लगने से आरोपी घायल था और अस्पताल में भर्ती था। 27 अगस्त को लाडवा के गांव बकाली के पास अपराध अन्वेषण शाखा-2 की टीम और आरोपी के बीच मुठभेड़ के मुख्य आरोपी हरविन्द्र सिंह निवासी मोहर सिंगवाला मानसा पंजाब को अदालत से प्रोड्क्शन वारंट पर लेकर मामले में गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। टीम लाडवा एरिया में गश्त पर थी। सूचना मिली कि एक संदिग्ध व्यक्ति गांव बकाली से सम्भालखा रोड पर किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए घुम रहा है। पुलिस टीम मौके पर पहुंची जहां पर एक संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिया। व्यक्ति को रुकने का इशारा किया तो आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिसकर्मियों ने जवाबी फायरिंग की जो आरोपी के पैर में गोली लगने से आरोपी घायल हो गया था।

जलबेहड़ा हैड पर पानी के तेज बहाव के चलते बीबीपुर झील की दीवार टूटी

हजारों एकड़ फसल पर मंडराया खतरा

- शाहबाद में मारकंडा नदी का पानी खतरे के निशान से नीचे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र/शाहबाद

पहाड़ों और मैदानी इलाके में चल रही बरसात के कारण मारकंडा नदी में शनिवार सांय तक 22143 क्यूसेक पानी की मात्रा दर्ज की गई है। मारकंडा नदी का जलस्तर अब खतरे के निशान से नीचे बह रहा है। वहीं मुलाना में 22 हजार क्यूसेक और कलाअंब में 18 हजार क्यूसेक पानी की मात्रा दर्ज की गई है। कलाअंब में मूसलाधार बरसात होने के कारण मारकंडा नदी में जलस्तर बढ़ सकता है।

उधर शनिवार दोपहर को जलबेहड़ा हैड पर बीबीपुर झील की दीवार टूटने पर आसपास के आधा दर्जन गांवों के खेतों में खड़ी हजारों एकड़ फसल पर पर खतरा मंडरा रहा है। जलबेहड़ा हैड पर शनिवार दोपहर तक 15 हजार क्यूसेक पानी की मात्रा दर्ज की गई जोकि आज तक का सबसे अधिक पानी है। जलबेहड़ा में बीबीपुर चैनल लिंक वाली एक दीवार पानी के बहाव में टूट गई। इस पुल पर कुल 9 दीवार हैं। इस दीवार से ओवरफ्लो होने पर ही बीबीपुर झील में पानी जाता है। 3 दिन से मारकंडा यहां फ्लड लेवल के ऊपर बह रही हैं।

वहीं शनिवार को हुई मूसलाधार बारिश ने किसानों की चिंता ओर बढ़ा दी है। वही मुख्यमंत्री नायब सैनी ने जिला के शाहबाद व पिहोवा में जल से प्रभावित क्षेत्रो का दौरा किया और स्थिति का जायजा लिया।

कुरुक्षेत्र। जलबेहड़ा हैड पर बहता मारकंडा नदी का पानी। फोटो : हरिभूमि

ओवरफ्लो के चलते जलभराव की स्थिति

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पत्रकारों के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि सभी नहर, नदी, नालों और बाढ़ राहत के लिए बनाई गई व्यवस्थाओं की साफ सफाई की जाती है। पहाड़ों से पानी आने के कारण इस बार स्थिति गड़बड़ा गई है। ऐसी आपदा की स्थिति में विपक्ष का राजनीति करना दुर्भाग्यपूर्ण है। इस स्थिति में विपक्ष ने सरकार को सुझाव और सहयोग देना चाहिए। उन्होंने जनता से आग्रह किया कि प्रदेश के नागरिकों को जलभराव आपदा में सहयोग करे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मारकंडा को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि मारकंडा में 25000 क्यूसिक पानी की क्षमता है। इस बार लगभग 40,000 क्यूसिक पानी पहुंचा है, जो ओवरफ्लो होकर खेतों और आसपास के क्षेत्र में जल भराव की स्थिति को पैदा कर रहा है।

धैर्य के साथ सेवा करने की जरूरत : नायब सिंह सैनी

शाहबाद। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जलभराव की आपदा में पक्ष, विपक्ष और आमजन को मिलकर धैर्य के साथ सेवा करने की जरूरत है, ताकि सभी मिलकर इस आपदा से निजात पा सकें। उन्होंने कहा कि धीरे-धीरे पानी कम हो रहा है और समस्याओं भी कम हो रही हैं। पहाड़ों से आए ज्यादा पानी से प्रदेश के करीब 3000 गांव प्रभावित हुए हैं। इन गांवों में फसल और अन्य नुकसान की भरपाई के लिए प्रदेश सरकार ने ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल खोला हुआ है, जहां पर अब तक 1,69,738 किसानों ने 9,96,701 एकड़ फसल के खराबे का आवेदन किया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शनिवार को शाहाबाद रेस्ट हाउस में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री ने जलभराव से प्रभावित गांवों के जन प्रतिनिधियों से बातचीत की और एक एक गांव की स्थिति, नुकसान के बारे में बारीकी से पूछा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मार्कण्डेश्वर मंदिर में पूजा अर्चना की और साथ ही जलभराव प्रभावित क्षेत्र से शिफ्ट किए हुए नागरिकों से बातचीत कर उनकी समस्याओं को जाना और आश्वासन दिया कि प्रदेश सरकार नागरिकों के साथ हर स्थिति में मदद के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पहाड़ी क्षेत्र से ज्यादा पानी आने की वजह से प्रदेश के गांवों जलभराव से प्रभावित हुए हैं। पानी ज्यादा बह रहा है। जिन लोगों के घर तक पानी पहुंचा है, उन्हें सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया है। उनके लिए रहने, खाने-पीने और अन्य सुविधाएं पहुंचाई गई है। इसके अलावा पशुओं के चारे का भी प्रबंध किया जा रहा है। वर्ष 2023 में भी प्रदेश के अंदर ऐसी स्थिति पैदा हुई थी। प्रदेश में अधिकारी व्यवस्था बनाने के लिए लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने आमजन के खराबी की भरपाई के लिए ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल खोला गया है, जिस पर आमजन रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। पानी धीरे-धीरे कम होगा और प्रदेश की स्थिति नॉर्मल होगी।

- सीएम ने जलभराव से प्रभावित गांवों के जन प्रतिनिधियों से की बातचीत

पंजाब में खाने, पीने और पशुओं के लिए चारा भेजा जा रहा

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा की तरफ से पंजाब में खाने, पीने और पशुओं के लिए चारा भेजा जा रहा है। इस मौके पर मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार भारत भूषण भारती, उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल, जिला अध्यक्ष तिजेंद्र सिंह गोल्डी, भाजपा नेता जयभगवान शर्मा डीडी, सुभाष कलसाना, चेयरमैन धर्मवीर मिजापुर, चेयरमैन धर्मवीर डागर, मीडिया कोऑर्डिनेटर तुषार सैनी, रविंद्र सागंवान सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

नहर में नहाते समय 5 बच्चों समेत सात बहे, दो की मौत

- पानी की गहराई में लापता बच्चे व युवक की हो रही है तलाश
- रोकने के बावजूद टांगरी नदी में नहा रहे थे बच्चे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

बरसाती पानी की वजह से ओवरफ्लो हो रही टांगरी नदी व नहर में पांच बच्चों समेत सात लोग डूब गए। इनमें से दो बच्चों की डूबने से मौत हो गई।

दरअसल भून्नी गांव में टांगरी नदी में नहाते समय शनिवार को 5 बच्चे पानी के बहाव में बह गए। चार बच्चों को बचा लिया गया है जबकि 5वें बच्चे की तलाश जारी है। बताया जा रहा है कि डूबने से एक बच्चे की मौत हो गई है। उधर दुखेड़ी गांव में बरसाती नहर में नहाते समय दो 2 लोग बह गए। इनमें से एक की मौत हो गई है। पिछले दिनों हुई बारिश की वजह से ये हादसे हुए। अभी तक टांगरी नदी व नहर में जलभराव कम नहीं हुआ है। कुछ जगहों पर पानी भरा हुआ है। टांगरी नदी में बेशक जलस्तर घट रहा है लेकिन अभी नदी में पानी का बहाव तेज है।

तलाश में जुटे गोताखोर

टांगरी नदी में डूबे बच्चे व नहर में लापता हुआ युवक की तलाश चल रही है। गोताखोर दोनों को तलाशने में जुटे हैं। अभी तक दोनों का कहीं पता नहीं चल पाया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोनों की पानी में डूबने से मौत हो चुकी है। नहाते समय दोनों तेज बहाव में बह गए थे। इसी वजह से वे नदी व नहर की गहराई में लापता हो गए।

बाढ़ से बंद बिजली लाइन के 1290 मीटर तार चोरी

यमुनानगर। सोम नदी की बाढ़ से गांव रामपुर बिहटा में बंद पड़ी 220 केवी लाइन की 1290 मीटर तार चोरी हो गई।चोरी हुई तार की कीमत करीब 2 लाख 93 हजार रुपये बताई जा रही है। बिजली निगम एसडीओ की शिकायत पर थाना व्यासपुर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

प्रतापनगर से एसडीओ सुखविंद्र सिंह ने बताया कि गांव रामपुर बिहटा से बिजली निगम की 220 केवी लाइन तिहमो व छछरौली पावर हाउस को फीड देती है। कुछ माह पहले सोम नदी की बाढ़ से कई खंभे गिर गए थे। इस कारण यह 220 केवी लाइन बंद कर दी गई थी। इस लाइन के क्षेत्र को दूसरी लाइन के जरिए बिजली आपूर्ति सुचारू की थी। अब जांच में पाया गया कि 220 केवी की बंद पड़ी लाइन से करीब 1290 मीटर लंबी 150 एमएम चौड़ा तार चोरी है। जिसकी कीमत दो लाख 93 हजार रुपए है।

अनियंत्रित होकर नाले में गिरी ईंटों से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली, दो मजदूर बहे और दो को ग्रामीणों ने बचाया

- रोकने के बावजूद क्रॉस कर रहे थे ओवरफ्लो नाले

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

शनिवार को ओवरफ्लो बरसाती नाले में एक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में 2 लोग नाले में बह गए, जबकि 2 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। पुलिस की टीमें लोगों की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही हैं। हालांकि, अभी तक दोनों लोगों का सुराग नहीं लग पाया है।

नाले का पानी गांव की सड़क के ऊपर से बह रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि लोगों ने ट्रैक्टर ट्रॉली सवारों को नाला पार करने से रोका था लेकिन उन्होंने किसी की बात नहीं सुनी और आगे चले गए। जानकारी के मुताबिक नारायणगढ़ से 4 लोग ईंट लेकर अंबाला के मोहड़ा आ रहे थे। इसी दौरान दुखेड़ी गांव के पास बरसाती नाले में उनकी ट्रैक्टर ट्रॉली बेकाबू होकर पलट गया। जिसमें मिठापुर गांव का मुकेश और समलहेड़ी गांव का रवि ट्रैक्टर-ट्रॉली के साथ नाले के तेज बहाव में बह गए। सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। उन्होंने 2 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया लेकिन रवि और मुकेश बहकर आगे चले गए। घटना की जानकारी मिलते ही थाना पड़ाव से पुलिस मौके पर पहुंची है।

पुलिस ने अब बरसाती नाले के पास बैरियर लगाकर रास्ते को बंद कर दिया है। हालांकि जिस वक्त यह घटना हुई उस वक्त ये रास्ता खुला था। दुखेड़ी गांव के रवि राणा ने बताया कि बरसात के दिनों में यह नाला ओवरफ्लो रहता है।

अन्य दिनों में यह सामान्य नाले की तरह ही बहता है। जब ये चारों ट्रैक्टर ट्रॉली लेकर दुखेड़ी की तरफ बढ़ रहे थे, इस दौरान कुछ लोगों ने उनको आगे जाने के लिए मना किया था लेकिन वे नहीं माने और आगे बढ़ गए, जिसके बाद ट्रॉली अनियंत्रित हो गई।

- पुलिस ने बरसाती नाले के पास बैरियर लगाकर रास्ते को कर दिया बंद
- लोगों की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा

अंबाला। नाले में बहे मजदूरों को देखते लोग। फोटो : हरिभूमि

विदेश भेजने के नाम पर युवक से ठगे पांच लाख

यमुनानगर। विदेश भेजने के नाम पर जिला रोहतक के नेहरू कॉलोनी निवासी सचिन ढांडा से पांच लाख रुपए ठग लिए गए।

आरोप यमुनानगर स्थित ग्लोबल इन्फोटेक की संचालिका रमनदीप कौर, अजय कुमार व प्रदीप पर लगा है। रोहतक जिले के नेहरू कॉलोनी निवासी सचिन ढांडा ने बताया कि उसे पता चला कि यमुनानगर स्थित ग्लोबल इन्फोटेक प्राइवेट लिमिटेड की संचालिका रमनदीप कौर लोगों को विदेश भेजने का काम करती है। वह आरोपियों से मिलने उनके कार्यालय में आया। वह आरोपियों की बातों में आ गया।

इस दौरान आरोपियों ने जनवरी 2025 से 11 जून तक उसके पास से विदेश भेजने के नाम पर करीब पांच लाख रुपये और उसके दस्तावेज ले लिए। मगर काफी दिन बीत जाने के बाद भी आरोपियों ने उसे विदेश नहीं भेजा।

इन्वेस्टमेंट के नाम पर व्यक्ति से ठगे 15 लाख रुपये

- पुलिस ने अज्ञात साइबर ठगों के खिलाफ किया धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज

यमुनानगर। कंपनी में पैसा इन्वेस्टमेंट करवाकर अधिक लाभ कमाने का लालच देकर साइबर ठगों ने शहर के मॉडल कॉलोनी निवासी भारत भूषण से 15 लाख रुपये ठग लिए। जब उसे अपने साथ हुई ठगी का पता चला तो उसने मामले की सूचना साइबर क्राइम थाना पुलिस को दी।

पुलिस ने अज्ञात साइबर ठगों के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। मॉडल कॉलोनी निवासी भारत भूषण ने बताया कि गत 13 जून को उसके मोबाइल पर एक मैसेज आया। जब उसने मैसेज पर क्लिक किया तो वह एक ग्रुप से जुड़ गया। जहां पर कंपनी में पैसा इन्वेस्टमेंट करवा कर अधिक लाभ कमाने का लालच दिया गया था। इस दौरान आरोपियों ने उसके पास मैसेज करने शुरू कर दिए और उसे अपने झांसे में ले लिया। इस दौरान ठगों ने उसे कहा कि वह आईएनडी मनी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में पैसे इन्वेस्टमेंट करते हैं तो उन्हें अधिक लाभ प्राप्त होगा। वह आरोपियों की बातों में आ गया। आरोपियों ने 15 लाख रुपये अलग-अलग अकाउंट में जमा करवा लिए। मगर इसके बाद आरोपियों ने उसे कोई प्रॉफिट नहीं दिया। जब उसे अपने साथ हुई ठगी का पता चला तो उसने मामले की सूचना साइबर क्राइम थाना पुलिस को दी।

आधी अधूरी प्रमोशन लिस्ट पर हेमसा ने जताया विरोध

कुरुक्षेत्र। शिक्षा विभाग फिल्ड मिनिस्ट्रीयल स्टाफ कर्मी काफी लम्बे अरसे से लड़ाई लड रहे हैं लेकिन शिक्षा विभाग की अफसरशाही लगातार शोषण कर रही है। गत सांय निदेशालय द्वारा आंदोलन के दबाव में 12 डिप्टी सुपरिटेंडेंट को प्रमोट कर सुपरिटेंडेंट बनाया गया। जबकि 25 पद सुपरिटेंडेंट के खाली पड़े थे। यह प्रमोशन लिस्ट जारी होने उपरांत भी 13 पद खाली रह गए हैं। हरियाणा एजुकेशन मिनिस्ट्रील स्टाफ एसोसिएशन सम्बंधित सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष संदीप सांगवान, महासचिव हितेंद्र सिहाग, कोशाध्यक्ष मुकेश खर्ब, जिला प्रधान पीतांबर शर्मा, सचिव सुशील कुमार ने संयुक्त रूप से बताया कि शिक्षा विभाग की अफसरशाही नियमों को ताक पर रख कर मनमानी कर रही है। एक ही विभाग में काम करने वाले कर्मियों पर नियम अलग क्यों। निदेशालय में एक क्लर्क तीन साल बाद अशिसटेंट बन जाता है तथा फिल्ड का क्लर्क 32 साल उपरांत एशिसटेंट बनता है। जबकि सेवा नियम दोनों के एक समान हैं। सेवा नियमों में छूट देने की पावर एसीएस के पास है। मुख्यालय में तो छूट दे कर प्रमोट कर दिया जाता है लेकिन फिल्ड मिनिस्ट्रीयल स्टाफ को छूट नहीं दी जाती। इसलिए फिल्ड का क्लर्क इंन्ही तुगलकी दोहरे नियमों व अफसरों की मनमानी के चलते 32,33 साल नौकरी करने के बाद क्लर्क इसी पद से रिटायर हो जाता है। जबकि इसी विभाग के मुख्यालय में काम करने वाले क्लर्क 31 साल सेवा उपरांत डिप्टी डायरेक्टर बन जाता है। महासचिव हितेंद्र सिहाग ने बताया कि समय पर पदोन्नति न करना विभाग की गलती है लेकिन सजा क्लर्क को भुगतनी पड़ती है। उन्होंने बताया कि शिक्षा विभाग फिल्ड में क्लर्कों के 5250, अशिसटेंट 465, स्टेटीकल अशिसटेंट 60, डिप्टी सुपरिटेंडेंट 137, सुप्रिडेंट 44 पद स्वीकृत हैं। शिक्षा विभाग फिल्ड में 50 प्रतिशत पद खाली पड़े हैं। सभी खाली पदों पर शीघ्र पदोन्नति की जाए।

- 23 सितंबर को डीसी दफ्तरों पर डालेंगे पड़ाव : सांगवान

दस दिवसीय गणेश महोत्सव का हर्षोल्लास और श्रद्धापूर्वक समापन

गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस जू जल्दी आ...का जयघोष

- श्रद्धालुओं ने बैंड-बाजो की धुनों पर गाते-बजाते और गुलाल उड़ाते हुए गणपति भगवान को दी विदाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

प्रदेश भर में दस दों से चल रहे गणेश महोत्सव का शनिवार को अनंत चतुर्दशी के अवसर पर विधिवत भगवान गणेश की मूर्तियों का नदियों में विसर्जन के बाद समापन हो गया।

इस दौरान श्रद्धालुओं ने गणपति बप्पा मौरेया, अगले बरस तू जल्दी आ..... के गगन भेदी जयकारों के साथ गणेश भगवान की मूर्तियों का विधिविधान पूर्वक पवित्र सरोवरों में विसर्जन कर दिया गया। यमुनानगर जिले में यमुना नदी समेत विसर्जन के स्थानों पर प्रशासन ने कड़े इंतजाम किए थे। ऐहतियात के तौर पर यमुना नदी पर गोताखोर,दमकल की गाड़ियां व मेडिकल वैन आदि तैनात की गई थी। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर मनाए जा रहे गणपति उत्सव स्थलों से भगवान गणेश की सुंदर झांकियां सजाकर शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें बैंडबाजे और गुलाल उड़ेलकर गणेश को अगले वर्ष दोबारा आने का वायदा करके विदा किया गया। शनिवार सुबह से ही गणपति भगवान की मूर्तियों का विसर्जन किया जाना शुरू हो चुका था। शहर के मॉडल-टाऊन स्थित न्यू पार्क ग्राउंड पार्क में चल रहे गणपति उत्सव में सुबह दस बजे पहले बैंड बाजों की धूनों पर महिलाओं व युवाओं ने खूब नाचकर उत्सव मनाया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने एक दूसरे पर गुलाल फेंका। बाद में गणपति भगवान की मूर्ति का यमुना नदी में ले जाकर विसर्जन कर दिया गया। इसके बाद भंडारा बरताया गया। गणपति भगवान की मूर्तियों के विसर्जन करने के लिए मेन बाजार समेत विभिन्न स्थानों से भगवान श्रीगणेश की सुंदर झांकियों से सजी शोभा यात्राएं शुरू हुई। इस दौरान श्रद्धालु रंग-गुलाल उड़ाते हुए यमुना नदी पर पहुंचे और गणपित भगवान का विसर्जन किया।

इसी तरह जगाधरी के दर्जन भर स्थानों व शहर के न्यू मार्कीट, रामपुरा, आजाद नगर, जगाधरी वर्कशॉप, कैंप, हमीदा आदि स्थानों पर मनाए जा रहे गणेश उत्सव स्थलों से आकर्षक झांकियों से सजी शोभायात्राएं गुलाल उड़ेलती और बैंड बाजों के धुनों पर नाचते गाते यमुना नदी पर पहुंची और गणेश भगवान का विधिपूर्वक विसर्जन किया। शोभा यात्राएं शहर के विभिन्न मार्गों से होती हुई यमुना घाट पर पहुंची। पंडित कृष्ण शर्मा का कहना है कि गणपति जी ऐसे देवता हैं जो अपने भक्तों पर हमेशा प्रसन्न रहते हैं। यदि कोई भी कभी भी सच्चे मन से पुकारता है तो वे स्वयं उसके दुखों को दूर करने पहुंच जाते हैं। रास्ते में शोभायात्राओं का जगह-जगह स्वागत किया गया। शोभायात्रा से पूर्व गणपति की पूजा की गई जिसमें श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। जिले के प्रताप नगर ,रादौर, बिलासपुर, साढ़ौरा, छछरौली व मुस्तफाबाद में भी गणेश उत्सव के समापन पर विधिवत गणेश भगवान की मूर्तियों का विसर्जन किया गया।

यमुनानगर। णेश भगवान की मूर्ति को भव्य रूप से सजाकर शोभा यात्रा द्वारा विसर्जन के लिए लेकर जाते श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

शोभा यात्रा में सुंदर झांकियां रही आकर्षण का केंद्र

गणपति भगवान के विसर्जन के लिए निकाली गई शोभा यात्रा में सुंदर झांकिया आकर्षण का केंद्र रही। शोभायात्रा शहर के विभिन्न मार्गों से होती हुई यमुना नदी पर पहुंची। जहां पर श्रद्धालुओं ने गणपति भगवान की मूर्ति का विसर्जन कर उन्हें विदाई दी। खास बात यह रही जिले भर में दिन भर गणपति भगवान की मूर्तियों का विसर्जन शोभायात्राएं निकाल कर किया गया। जिससे सड़कों पर पूरा वातावरण गणपति बप्पामय रहा। इस दौरान श्रद्‌घालु गणपति बप्पा मौरेया अगले बरस तू जल्दी आ के नारों से आकाश को गुंजायमान करते रहे। वहीं शहर की न्यू मार्कीट में आदर्श क्लब द्वारा मनाए जा रहे गणपति उत्सव का समापन हो गया। इस क्लब के सदस्यों ने भी शोभा यात्रा निकालकर गणपति जी का विसर्जन किया।

शनि के घर में लगेगा सबसे लंबी अवधि का चंद्रग्रहण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

वैदिक ज्योतिष अनुसार समय-समय पर चंद्र और सूर्य ग्रहण पड़ते हैं। जिसका प्रभाव मानव जीवन और देश- दुनिया पर देखने को मिलता है। आपको बता दें कि चंद्रग्रहण 7 सितंबर रविवार की रात को भाद्रपद मास की पूर्णिमा के दिन लगने जा रहा है।

डा. रामराज कौशिक।

यह चंद्रग्रहण समूचे भारत में भी दृश्य रहेगा। गायत्री ज्योतिष अनुसंधान केंद्र के ज्योतिष आचार्य डॉ रामराज कौशिक ने बताया कि जहां 7 सितंबर को चंद्र ग्रहण खग्रास रूप में सबसे लंबी अवधि में दिखाई देगा वही 21 सितंबर को सूर्य ग्रहण भी लगने जा रहा है एक ही पक्ष में दो ग्रहों का होना अशुभ माना जाता है। माना जाता है कि इससे विश्व में अशांति और प्राकृतिक प्रकोप की घटनाएं ज्यादा घटती हैं चंद्र ग्रहण हिंदू धर्म की अशुभ अवधि माना जाता है, जिसमें शुभ-मांगलिक कार्य करने की मनाही होती है। साथ ही इस समय सभी तरह की यात्राएं करना भी वर्जित होता है, क्योंकि इसके अशुभ प्रभाव से जातकों को नकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं। अबकि बार चंद्र ग्रहण शनि के आपने घर कुम्भ मे होगा।

सूतक काल

रामराज कौशिक के मुताबिक चंद्र ग्रहण प्रारंभ होने से 9 घंटे पूर्व सूतक काल की शुरूआत होती है। ऐसे में 7 सितंबर 2025 को सूतक काल दोपहर 12 बजकर 59 मिनट से शुरू होगा।

चंद्र ग्रहण का समय

यह ग्रहण 7 सितंबर को रात 9 बजकर 59 मिनट पर लगेगा। इसका समापन देर रात 1 बजकर 26 मिनट पर समाप्त होगा।

खबर संक्षेप

नगर निगम करनाल ने लगाया चिकित्सा जांच शिविर

करनाल। हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान के तहत नगर निगम करनाल में शनिवार को चिकित्सा जांच शिविर आयोजित किया गया। शिविर में महापौर रेणु बाला गुप्ता और नगर निगम आयुक्त डॉ. वैशाली शर्मा मुख्य अतिथि रहीं। करीब 150 सफाई मित्रों और निगम कार्यालय स्टाफ ने अपनी स्वास्थ्य जांच कराई। अमृतधारा माय अस्पताल की टीम ने ब्लड प्रेशर, शुगर, आंख और दांतों की जांच की।

रिटायर्ड कर्मचारी संघ की बैठक, 17 को धरना

करनाल। रिटायर्ड कर्मचारी संघ खंड चिड़ाव की बैठक खंड प्रधान जगन्नाथ राणा की अध्यक्षता में प्रजापति धर्मशाला, जुंडला में हुई। संचालन खंड सचिव राजपाल शाहपुर ने किया। बैठक में विशेष रूप से ईश्वर सिंह, प्रेमचंद, सुरेंद्र रावत, ओम प्रकाश सिंहमार और बलराज सिंह मौजूद रहे।

बैठक में बताया गया कि 29 अगस्त को रोहतक में हुई राज्य कार्यकारिणी की बैठक में निर्णय लिया गया था कि 17 सितंबर को दिल्ली के जंतर मंतर पर देशभर के रिटायर्ड कर्मचारी पेंशन वित्त विधेयक के विरोध में धरना देंगे।

रियलमी ने नया स्मार्टफोन लॉन्च किया

करनाल। स्मार्टफोन ब्रांड रियलमी ने अपना नया फ्लैगशिप स्मार्टफोन रियलमी 15T भारतीय बाजार में लॉन्च किया। कंपनी का दावा है कि यह फोन अपने सेगमेंट का पहला स्मार्टफोन है जिसमें 50MP फ्रंट और 50MP रियर एआई कैमरा सेटअप दिया गया है। फोन की सबसे बड़ी खासियत है 7000mAh की पावरफुल बैटरी, जो अल्ट्रा स्लिम 7.99 मिमी बॉडी में फिट की गई है। रियलमी इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि यह स्मार्टफोन युवाओं की प्रीमियम डिजाइन और लंबे बैटरी बैकअप की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

भाषण प्रतियोगिता में खानपुर की नैंसी ने पाया पहला स्थान

हिन्दी पखवाड़ा के अंतर्गत खंड स्तर पर प्रतियोगिताओं का परिणाम तैयार

खंड स्तर पर प्रतियोगिताओं का परिणाम तैयार किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| इंद्री

करनाल। खंड शिक्षा कार्यालय इंद्री में निर्णायक मंडल के सदस्य हिन्दी पखवाड़े की प्रतियोगिताओं का परिणाम तैयार करते हुए। फोटो : हरिभूमि

हिन्दी पखवाड़ा के अंतर्गत विद्यालय स्तर पर आयोजित की गई विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं के बाद खंड स्तर पर प्रतियोगिताओं का परिणाम तैयार किया गया। विद्यालय स्तर पर चौथी-पांचवी, छठी से आठवीं और नौवीं से बारहवीं कक्षा के तीन वर्गों में हुई प्रतियोगिताओं के परिणाम के अनुसार उत्कृष्ट रचनाएं एवं वीडियो खंड स्तर पर भेजी गई थी। बीईओ धर्मपाल चौधरी के मार्गदर्शन में बीआरपी रविंद्र शिल्पी, कविता कांबोज, हिन्दी प्राध्यापक अरुण कुमार कैहरबा व सुरेश कुमार के चार सदस्यीय निर्णायक मंडल ने विद्यालय स्तर की उत्कृष्ट रचनाओं व वीडियो का गहन अध्ययन व विश्लेषण करके खंड स्तरीय परिणाम तैयार किया। निर्णायक मंडल के सदस्यों ने जानकारी देते हुए बताया कि नौवीं से 12वीं कक्षा वर्ग में स्वरचित कहानी लेखन प्रतियोगिता में ब्याना स्कूल की छात्रा सिमरण ने पहला, हिनौरी की ऊषा ने दूसरा व ब्याना की देवांशी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। निबंध लेखन में राजकीय कन्या स्कूल इंद्री की सोनिया ने पहला, नगला रोड़ान की रोनक ने दूसरा और गढ़ी बीरबल की महिमा त्यागी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। व्याकरण आधारित प्रश्नोत्तरी में ब्याना की कृतिका ने पहला, खानपुर की सना ने दूसरा भादसों स्कूल की मानसी ने तीसरा स्थान पाया। भाषण प्रतियोगिता में खानपुर की नैंसी ने पहला, ब्याना की सफिया ने दूसरा स्थान पाया। आधी कविता पूर्ण करना प्रतियोगिता में ब्याना स्कूल कृति ने पहला, खेड़ी मान सिंह की रमनदीप कौर ने दूसरा और राजकीय कन्या स्कूल की सना ने तीसरा स्थान पाया। कविता पाठ में चेतन ब्याना प्रथम, खुशी हिनौरी द्वितीय और पायल खानपुर तीसरे स्थान पर रहे।

चौथी व पांचवीं के समूह के विजेता

चौथी व पांचवीं के समूह में चित्र देखकर कहानी लेखन में कलरी जागीर स्कूल से जिया और मुसेपुर से रजनी ने क्रमशः पहले दो स्थान पर कब्जा किया। चित्र देखकर कविता लेखन में तेजस मुसेपुर, प्रियल खानपुर व जोया मनोहरपुर, कविता पाठ में मानसी मनोहरपुर, रमनीत खानपुर, खुशी खुखनी, व्याकरण आधारित प्रश्नोत्तरी में शिवानी मनोहरपुर, वंश मनोहरपुर व हिमांशु इन्द्री क्रमशः पहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे। निबंध लेखन में मनोहरपुर पाठशाला से शुभम ने पहला, प्रियम जैनपुर डेरा ने दूसरा और परी डबकौली ने तीसरा स्थान पाया।

कक्षा छठी से आठवीं वर्ग के विजेता

कक्षा छठी से आठवीं वर्ग में चित्र देखकर कहानी लिखने की प्रतियोगिता में खेड़ा राजकीय स्कूल की रिया ने पहला, नन्हेड़ा की सांची ने दूसरा और छपरियों की कनिका ने तीसरा स्थान पाया। दृश्य घटना वर्णन में ब्याना स्कूल की इंदु ने पहला और छपरियों के आलिफ ने दूसरा स्थान पाया। कविता पाठ में ब्याना स्कूल की पूषा कांबोज ने पहला, चंद्रांव की महक देवी ने दूसरा और करिमा ने तीसरा स्थान पाया। व्याकरण आधारित प्रश्नोत्तरी में जीविका ब्याना ने पहला, सुनैना भादसों ने दूसरा और झलक खेड़ा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। निबंध लेखन में अंजलि, मानवी और खुशी इंद्री क्रमशः पहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे। चित्र देखकर कविता लेखन में समर्थ छपरियां ने पहला, चाहत खेड़ा ने दूसरा स्थान पाया।

जीएसटी की दरों में कमी करना ऐतिहासिक निर्णय: पुष्कर गोयल

करनाल। पत्रकारों से बातचीत करते हुये एम डी पुष्कर गोयल व उद्योगपति यश सलूजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तरावड़ी

(राजकुमार खुराना) डबल चाबी बासमती चावल के निर्माता एवं एक्सपोर्टर पुष्कर गोयल व उद्योगपति यश सलूजा ने पत्रकारों बातचीत करते हुये कहा कि केन्द्र व प्रदेश सरकार ने जनहित में अनेक योजनाएं लागू की है और पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ मिल रहा है। साथ ही उन्होंने में कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा जीएसटी की दरो में कमी करना ऐतिहासिक निर्णय है और इससे उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा, वहीं महंगाई से भी राहत मिलेगी। उद्योगपति यश सलूजा ने कहा कि नरेन्द्र मोदी के वोकल से लोकल के विचार को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही देश आत्मनिर्भर की ओर भी आगे बढ़ेगा। जीएसटी दरों में कमी से बढ़ती महंगाई पर भी विराम लगेगा। किसानों के लिये भी राहतकारी फैसले लिये गये है।

सीएम ने लिए कई फैसले

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश लगातार विकास के आयाम स्थापित कर रहा है और सबसे बड़ी बात तो यह है कि अन्य प्रदेश भी हरियाणा सरकार की नीतियों का अनुसरण कर रहे है जोकि अपने आप में एक मिसाल है। किसानों के लिये भी राहतकारी फैसले लिये गये है।

एमडी अदिति ने शुगर मिल में रिपेयर और मेंटेनेंस कार्य का किया निरीक्षण

करनाल। करनाल चीनी मिल की प्रबंध निदेशक अदिति ने शनिवार को औचक निरीक्षण किया। उन्होंने मिल हाउस में चल रहे रोलर्स पर रिसेलिंग कार्य, बायलर और ईटीपी पर रखरखाव कार्यों का जायजा लिया और अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य सीपीसीबी मानकों के अनुसार हों।उन्होंने कहा कि मिल को नवंबर माह तक चालू करने के लिए रिपेयर और मेंटेनेंस कार्यों में तेजी लाई जाए। अदिति ने शुगर गोदाम से बायलर तक बन रही पंचायती राज सड़क का भी निरीक्षण किया और सही ड्रेनेज व्यवस्था के निर्देश दिए।गौरतलब है कि उनके कार्यकाल में ही पुराने 2200 टीसीडी शुगर प्लांट का विस्तारीकरण करके नया 3500 टीसीडी रिफाइंड शुगर प्लांट और 18 मेगावाट कोजन प्लांट स्थापित किया गया था। अप्रैल 2021 से मिल लगातार रिफाइंड शुगर उत्पादन में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम पुरस्कार जीत रही है।

युवा, आमजन और प्रशासन के सहयोग से लगेगा अपराध पर नियंत्रण : एसएचओ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा , मां-बाप और परिजनों से करें दोस्ती : प्रोफेसर डॉ. रामपाल सैनी

जिला प्रशासन द्वारा आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय जींद के कुलपति प्रोफेसर डॉ. रामपाल सैनी ने कहा कि आज के युवाओं को राष्ट्रीय चरित्र के साथ आगे बढ़ने की आवश्यकता है। समाज में व्याप्त बुराइयां उन्हें अपनी गिरफ्त में ले रही हैं। ऐसे में परिवार और शिक्षक वर्ग की जिम्मेदारी बनती है कि वे युवाओं को इन बुराइयों से बचाकर अच्छाई की ओर अग्रसर करें।

डॉ. सैनी ने कहा कि यदि युवाओं को दोस्ती करनी है तो वे अपने मां-बाप, दादा-दादी और परिजनों से करें। वही उनके सच्चे मार्गदर्शक हैं, जो जीवन में सही सलाह और दिशा दिखाते हैं। महाविद्यालय प्राचार्य ने भी युवाओं से आह्वान किया कि वे समाज को बेहतर बनाने में अपनी भूमिका निभाएं। नई सोच और दिशा से समाजिक बुराइयों को जड़ से उखाड़ा जा सकता है।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित सिविल लाइन थाना करनाल के एसएचओ रामलाल ने युवाओं को चेतावनी दी कि बिना नंबर प्लेट वाहन चलाने, बुलेट मोटरसाइकिल से पटाखे बजाने, नशा करने और अनुचित स्थानों पर समय व्यर्थ करने वालों के खिलाफ स्थानीय पुलिस कड़ी कार्रवाई करेगी।उन्होंने कहा कि पुलिस अधीक्षक गंगाराम पुनिया के नेतृत्व में करनाल पुलिस अपराधों पर रोक लगाने के लिए सतत प्रयासरत है।

शराब ठेके पर फायरिंग गैंगस्टरों ने ली जिम्मेदारी

करनाल। जीटी रोड पर झिंझाड़ी गांव के समीप बने शराब ठेके पर फायरिंग की घटना ने जिले में सनसनी फैला दी है। देर रात करीब 11 बजे दो नकाबपोश युवक ठेके पर पहुंचे और पिस्टल निकालकर पांच राउंड फायर किए। गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। सीसीटीवी फुटेज में पूरी वारदात कैद हो चुकी है। सूचना मिलते ही डीएसपी राजीव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे, वहीं सीआईए और एसटीएफ की टीमों ने नाकाबंदी की लेकिन बदमाशों का सुराग नहीं लगा।

इस वारदात की जिम्मेदारी गैंगस्टर रोहित गोदारा और गोल्डी बराड़ के नाम से बनी फेसबुक आईडी पर ली गई है। पोस्ट में शराब ठेकेदारों को धमकाते हुए लिखा गया है कि जो उनका फोन नहीं उठाएंगे, उनका भी यही अंजाम होगा।

पंडित चिरंजीलाल शर्मा राजकीय कालेज में ओरिएंटेशन प्रोग्राम का हुआ आयोजन

■ विद्यार्थियों को महाविद्यालय के नियमों से अवगत करवाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

शनिवार को पंडित चिरंजीलाल शर्मा राजकीय महाविद्यालय में स्नातक और स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन हुआ। इसमें विद्यार्थियों को महाविद्यालय परिसर के नियमों, समितियों और पूरे सत्र में आयोजित होने वाली गतिविधियों की जानकारी दी गई।

प्राचार्या डॉ. रेखा त्यागी ने विद्यार्थियों से अनुशासन बनाए रखने, समय पर कक्षाओं में उपस्थित होने, साफ-सफाई पर ध्यान देने और प्लास्टिक का प्रयोग न करने का आह्वान किया। उन्होंने छात्रों को सांस्कृतिक, शैक्षणिक और सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। रामधन भारद्वाज ने यूनिवर्सिटी एग्जाम, एबीसी आईडी और आईयूएमएस पोर्टल की जानकारी दी।श्री राजेश कुमार ने एनएसएस यूनिट की ओर से किए जाने वाले शिविरों की चर्चा की। डॉ. सुनीता चोपड़ा ने महिला प्रकोष्ठ के कार्यों का विवरण दिया।

प्लेसमेंट सेल एवं जॉब फेयर की जानकारी दी

मंच संचालन हिन्दी विभाग के प्रोफेसर डॉ. नवीन बत्रा ने किया। उप प्राचार्य डॉ. जरनैल सिंह ने महाविद्यालय में वर्षभर होने वाली गतिविधियों की जानकारी दी। डॉ. विजय कुमार ने एनसीसी आर्मी विंग और डॉ. सुरेश कुमार दुग्गल ने एनसीसी एयर विंग की कार्यप्रणाली बताई। इसके अलावा डॉ. नवीन बत्रा ने सांस्कृतिक गतिविधियों, डॉ. राजेश रांझा ने महत्वपूर्ण दिवस आयोजन, डॉ. यशपाल ने खेल गतिविधियां, बस पास और अन्य विषयों पर जानकारी दी। डॉ. सुरेन्द्र पाल सिंह ने रेडक्रॉस, सुनील नरवाल व डॉ. राजेश वर्मा ने छात्रवृत्ति योजनाओं, डॉ. सरिता आर्य ने वार्षिक पत्रिका /"रवि तेज/", डॉ. राजेश मेहरा ने मानसिक स्वास्थ्य और टॉकिंग क्लिनिक, डॉ. रणजीत सिंह ने ईको क्लब, डॉ. बलवान सिंह ने रैगिंग निरोध और डॉ. रमेश अरोड़ा ने प्लेसमेंट सेल एवं जॉब फेयर की विस्तृत जानकारी दी।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय तरावड़ी में प्रिंट मेकिंग वर्कशॉप का सफल आयोजन किया

तरावड़ी। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सह शिक्षा तरावड़ी में फाइन आर्ट्स विभाग की ओर से प्रिंट मेकिंग वर्कशॉप का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का संयोजन विद्यालय की फाइन आर्ट टीचर डा. प्रतिभा धीमान द्वारा किया गया, जबकि संचालन प्रख्यात प्रिंट मेकर डा. राहुल धीमान ने किया। वर्कशॉप के दौरान डा. राहुल धीमान ने छात्रों को फाइन आर्ट्स की मूल अवधारणाओं से परिचित कराया और प्रिंटमेकिंग की विभिन्न तकनीकों की जानकारी दी। छात्रों ने पूरे उत्साह और लगन से इन विधियों का अभ्यास किया और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। कार्यशाला में खास तौर पर वुडकट और लिनोकट तकनीकें सिखाई गईं। छात्रों ने स्वयं टूल्स की मदद से रिलीफ ब्लॉक बनाए और उन्हें इंक लगाकर पेपर पर प्रिंट्स तैयार किए। यह अनुभव उनके लिए न सिर्फ रचनात्मक रहा, बल्कि व्यावहारिक सीखने का एक अवसर भी बना। इस वर्कशॉप में कुल 35 छात्रों ने भाग लिया और मिलकर 40 से अधिक प्रिंट्स तैयार किए, जिनकी विषयवस्तु लैंडस्केप, गाँव के दृश्य और प्रकृति पर आधारित रही। समापन अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य विवेक बेनीवाल ने डा. राहुल धीमान को सम्मानित किया और उनके प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएं छात्रों को नई कला विधाएँ सीखने के साथ-साथ सांस्कृतिक मूल्यों से भी जोड़ती हैं।

विधायक योगेन्द्र राणा ने की सराहना

सेवा पखवाड़ा सिर्फ अभियान नहीं बल्कि एक पर्व : विधायक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

विधायक का पुष्पगुच्छ देकर सम्मान किया

विधायक योगेन्द्र राणा ने कहा कि सेवा पखवाड़ा केवल एक अभियान नहीं बल्कि यह सेवा पर्व है, जिसमें सभी कार्यकर्ताओं को सेवा ही संगठन की भावना के साथ समाज की सेवा करनी है। उन्होंने कहा कि भाजपा एक राजनीतिक दल है, लेकिन उसकी पहचान राष्ट्रप्रथम और जनसेवा के सिद्धांतों पर आधारित है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर से लेकर 2 अक्टूबर महात्मा गांधी जयंती तक भाजपा पूरे प्रदेश में सेवा पखवाड़ा मनाएगी। इसी विषय पर भाजपा जिला कार्यालय कर्ण कमल में जिलाध्यक्ष प्रवीण लाठर की अध्यक्षता में कार्यशाला आयोजित की गई।कार्यशाला में सेवा पखवाड़ा के प्रदेश संयोजक एवं असंध विधायक योगेन्द्र राणा, प्रदेश महामंत्री डॉ. अर्चना गुप्ता, जिला प्रभारी भारत भूषण जुआल,

विधायक जगमोहन आनंद और करनाल की मेयर रेणु बाला गुप्ता विशेष रूप से मौजूद रहे।इस अवसर पर जिलाध्यक्ष प्रवीण लाठर ने सभी का स्वागत किया। कार्यशाला को सेवा पखवाड़ा जिला संयोजक यशपाल ठाकुर ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम के दौरान मंडल अध्यक्ष नवीन बत्रा और गौरव खुराना ने विधायक योगेन्द्र राणा का पुष्पगुच्छ देकर सम्मान किया।

जीसटी में कटौती को बताया सरहानीय

सरकार ने कर घटाकर जनता का बोझ कम किया: कृष्ण गोयल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तरावड़ी

जीएसटी दरों का युक्तिकरण कर अब प्रमुख दरें 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत लागू के होंगी। इससे कर प्रणाली और सरल होगी और आम जनता को सीधा लाभ मिलेगा। यह शब्द गैलेक्सी इन्टरनैशनल एक्स प्रा. लि. के एमडी कृष्ण गोयल ने जीएसटी परिषद के निर्णयों का स्वागत करते हुए कहे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी,परिषद के सभी सदस्यों के दूरदर्शी नेतृत्व में लिए गए निर्णय आम नागरिकों, किसानों, उद्योगों और व्यापार जगत को बड़ी एवं राहत देने वाले हैं। उद्योगपति कृष्ण गोयल ने कहा कि रोजमर्रा की वस्तुओं पर कर घटाकर जनता की जेब पर पडऩे वाला बोझ कम किया गया है। उन्होंने कहा कि रोटी, परांठा जैसी वस्तुएं अब करमुक्त होंगी। खाद्य वस्तुओं, दुग्ध उत्पादों और पैकेड फूड पर जीएसटी दरों में कमी की गई है। मक्खन व ड्राई फ्रूट्स पर जीएसटी 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत किया गया है। गोयल ने कहा कि किसानों के लिए भी राहतकारी फैसले लिए गए है। कृषि उपकरण, ट्रैक्टर पाटूस, सिंचाई व जुताई मशीनों पर कर कम किया गया है। उर्वरक और जैव-कीटनाशकों पर जीएसटी दरों में कमी की गई है।

सफाई कर्मचारियों का मेडिकल चेकअप करवाया

तरावड़ी। शनिवार को नगर पालिका परिसर में सफाई कर्मचारियों का मेडिकल चेकअप करवाया गया। इस अवसर पर नगर पालिका सचिव अजीत कुमार ने बताया कि नगर पालिका के सफाई कर्मचारी सफाई के कार्यों में लगे रहते हैं । इनका स्वास्थ्य ठीक होगा तभी हमारा शहर स्वच्छ होगा। आज इनके स्वास्थ्य का चेकअप करवाने के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तरावड़ी से डॉक्टरों की टीम ने नगर पालिका परिसर में पहुंचकर 28 सफाई कर्मचारियों का स्वास्थ्य चेकअप किया और इसके अलावा उनको स्वस्थ रहने के लिए दवाइयां समय पर लेने के लिए हिदायत दी। सफाई कर्मी स्वस्थ रहेंगे तो हमारा शहर भी स्वच्छ रहेगा। हमारा शहर स्वच्छ रहेगा। नगर पालिका सचिव अजीत कुमार का कहना है कि सफाई कर्मचारियों के स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी हमारा फर्ज बनता है और समय-समय पर इनका स्वास्थ्य चेकअप होता रहना चाहिए।

आपदा की घड़ी में नागरिक व सामाजिक संस्थाएं करें मिलकर सहयोग

पूर्व सरपंचों ने विधानसभा अध्यक्ष कल्याण का किया भव्य स्वागत

प्रदेश सरकार के विकास कार्यों का सभी ने सराहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

घरौंडा विधानसभा क्षेत्र के पूर्व सरपंचों ने शनिवार को करनाल के एक निजी होटल में विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण का भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर पूर्व सरपंचों ने उन्हें फूल मालाएं पहनाकर सम्मानित किया और कहा कि बरसों बाद घरौंडा को विधानसभा अध्यक्ष जैसा गरिमामयी पद मिला है, जिसके लिए वे सरकार के आभारी हैं।

कार्यक्रम में दोपहर भोज का आयोजन भी किया गया। सरपंचों ने पिछले दस वर्षों में घरौंडा क्षेत्र में हुए विकास कार्यों के लिए भी विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण का आभार जताया।

अपने संबोधन में श्री कल्याण ने कहा कि जब उन्होंने दस वर्ष पहले जिम्मेदारी संभाली थी, तब अधिकांश गांव कच्चे थे, लेकिन अब घरौंडा विकास की नई राहों पर अग्रसर है। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री मनोहरलाल और वर्तमान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का विशेष आभार जताया।

बाढ़ से निपटने के लिए सरकार अलर्ट

प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए सभी को आगे आना चाहिए विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने मीडिया से बातचीत में कहा कि हाल की बारिश से नदियों का जलस्तर बढ़ा है और बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है, लेकिन आपदा की घड़ी में सभी सामाजिक संस्थाओं और नागरिकों को भी सहयोग करना चाहिए।उन्होंने कहा कि पंजाब और जम्मू-कश्मीर को हरियाणा सरकार द्वारा दी गई सहायता सराहनीय है। उन्होंने बताया कि अपने क्षेत्र में भी किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचा है। मुख्यमंत्री पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि सभी किसान क्षतिपूर्ति पोर्टल पर अपना नुकसान दर्ज कराएं ताकि समय पर मुआवजा मिल सके।

आशा वर्कर यूनियन कन्या भ्रूण हत्या रोकने के लिए चलाएगी अभियान

करनाल। आशा वर्कर यूनियन, जिला करनाल की बैठक सीटू कार्यालय में जिला प्रधान नीरू की अध्यक्षता में हुई, जिसमें संचालन जिला सचिव सुदेश ने किया। बैठक में कन्या भ्रूण हत्या रोकने को लेकर 17, 18 और 24 सितंबर को गांवों में जत्थे निकालने का निर्णय लिया गया।

कार्यक्रम के अनुसार 17 सितंबर को असंध ब्लॉक के राहड़ा, बिलौना, उपलाना, जयसिंहपुर व निसग, 18 सितंबर को सिविल अस्पताल करनाल, सगोंहां, समोरा, इंद्री व भादसो, तथा 24 सितंबर को घरौंडा ब्लॉक के कोहंड, कुटेल, उचांसमाना, पधाना व सीकरी में जत्थे जाएंगे।

यूनियन नेताओं ने कहा कि हरियाणा में लगातार गिरते लिंगानुपात पर रोक लगाने के लिए केवल तकनीकी उपाय पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि सामाजिक जागरूकता जरूरी है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग से व्यापक रणनीति अपनाने की मांग की। इस अवसर पर सीटू जिला प्रधान बिजनेश राणा, सचिव सतपाल सैनी, कैशियर ओ.पी. माटा, जगपाल राणा, निर्मला, रेखा, सीमा नीलोखेड़ी, मनोज कुमार सहित अनेक पदाधिकारी मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

शहरी व ग्रामीण अचंल में बारिश का दौर जारी

पानीपत। शहरी व ग्रामीण अचंल में दोपहर के बाद रूक रूक कर बारिश हुई। वहीं यमुना में हथिनी कुंड बैराज से शनिवार को 50 हजार क्यूसिक पानी छोड़ा गया। दूसरी ओर, यमुना का जलस्तर निरंतर घटता जा रहा है। शनिवार की शाम छह बजे यमुना का जलस्तर 230.30 मीटर रहा। फिर भी यमुना से लगते खेतों में से नदी का पानी बह रहा है। यमुना में पानी का बहाव सामान्य होने पर ही खेतों से बह रहा नदी का पानी उतरेगा।

विवाहिता लापता मामला दर्ज

इसराना। इसराना थाना क्षेत्र के एक गांव की निवासी विवाहिता चार सितंबर को अपने घर से लापता हो गई। वहीं, पति ने हर संभावित स्थल पर पत्नी की तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लगा। इधर, पति ने थाना इसराना में पत्नी की गुमशुदी का केस दर्ज करवाया है। पुलिस ने विवाहिता की तलाश शुरू कर दी है।

दुकान से नकदी ले उड़े चोर

इसराना। पानीपत के मतलौडा के मेन बाजार में स्थित वीरेंद्र की कम्युनिकेशन की दुकान से 70 हजार रुपए की चोरी कर ली गई। वहीं वीरेंद्र की शिकायत पर थाना मतलौडा पुलिस ने घटनास्थल जांचा। एफएसएल की टीम ने भी घटनास्थल की जांच की। इधर, वीरेंद्र की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात पर विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

154 ग्राम गांजा सहित तस्कर गिरफ्तार

पानीपत। थाना चांदनी बाग पुलिस ने हरिद्वारा बाईपास स्थित हुडा सेक्टर 24 कट पर चाय के खोखे से नशा तस्कर अशोक विहार बेरी वाली मस्जिद निवासी शौकिन पुत्र हनीफ को 154 ग्राम गांजा सहित गिरफ्तार किया। थाना चांदनी बाग प्रभारी संदीप ने बताया कि शौकिन पर एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है।

यज्ञ के साथ शुरू की वेद कथा

पानीपत। आर्य समाज गुरु विरजानंद भवन खैल बाजार में आयोजित संगीतमय वेदकथा कार्यक्रम के दूसरे दिन शनिवार को शुरुआत श्रेष्ठ कर्म यज्ञ से हुई। वहीं, विदुषी श्वेता आर्य ने अपने भजनों से सबका मन मोह लिया। प्रधान राजेश आहूजा ने सभी अतिथियों का स्वागत ओम के पटके और मोती की माला से समाज के अधिकारियों ने किया। जबकि ब्रह्म श्री बृज किशोर शास्त्री ने शांति पाठ कर प्रसाद वितरण किया।

कार्यक्रम में शिक्षकों को किया सम्मानित

पानीपत। भारत विकास परिषद लव कुश शाखा ने राजकीय स्कूल गांव निजामपुर में चतुर्थ गुरु वंदन-विद्यार्थी अभिनंदन कार्यक्रम हुआ। जिसमें 700 विद्यार्थियों एवं सभी शिक्षकों ने भाग लिया। कार्यक्रम में शिक्षकों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सचिव भूपेश अग्रवाल, अध्यक्ष अंजना गुप्ता, सिमी कपूर, अमृत चौधरी, रेणुका प्राचार्या, सुमित्रा देवी, ममता, सुरेंद्र राठी, रिया, खुशबु, हिमांशु, नीति, अजय गुप्ता, रेणु गुप्ता, अशोक शर्मा, मुकेश गुप्ता, अजय बंसल आदि मौजूद रहे।

सफाई कर्मियों ने त्रिवेणी रोपी

पानीपत। कब डीओसी हरिओम ने नगर निगम के सफाई कर्मचारियों संग मिलकर स्वच्छता अभियान चलाया हुआ। जिसके अंतर्गत पूरे प्रांगण में घास, खपतवार और पेड़-पौधौ की कटाई-छटाई की जा रही है। नगर निगम सफाई कर्मचारियों संग मिलकर बड़, पीपल और नीम की त्रिवेणी लगाई गई।

जिला शिक्षा अधिकारी ने स्कूल जांचे

पानीपत। जिला शिक्षा अधिकारी राकेश बूरा ने पीएम श्री कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय माडल टाउन, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय दीवाना, राजकीय माध्यमिक विद्यालय खलीला पहलादपुर, राजकीय माध्यमिक विद्यालय नारायणा, राजकीय माध्यमिक विद्यालय हलदाना, राजकीय माध्यमिक विद्यालय पट्टी कल्याणा का निरीक्षण किया। वहीं, सभी स्कूल के टीचर्स व स्टूडेंट्स को स्वच्छता शपथ दिलवाई।

पानीपत से पंजाब के बाढ़ पीड़ितों को भेजी गई राहत सामग्री

हरिभूमि न्यूज ⏭पानीपत

- आपदा पीड़ितों की सदा से निष्काम सेवा करते आ रहे है पानीपत जिला निवासी

हरियाणा के विकास,पंचायत एवं खनन मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने शनिवार को जिला सचिवालय से पंजाब बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए राहत सामग्री से भरे छह ट्रकों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पानीपत जिले की ओर से लगभग एक करोड़ रुपए की मदद सामग्री के रूप में भेजी गई।

मंत्री पंवार ने कहा कि प्रदेश सरकार हमेशा बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए तैयार है। वहीं, अब तक हरियाणा में किसानों को 15,465 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जा चुका है। अब सरकार ने 12 से 15 हजार रुपये प्रति एकड़ मुआवजा देने का निर्णय लिया है। इसके लिए सभी उपायुक्तों को गिरदावरी और आकलन करने के निर्देश दिए जा चुके हैं।

पांच हजार राहत किट भेजी

उपायुक्त डॉ. वीरेंद्र दहिया ने बताया कि पंजाब के लिए पांच हजार राहत किट भेजी जा रही हैं। इनमें दो हजार तिरपाल, 2 हजार 700 दवाइयों की किट, 2 हजार 600 बिस्तर, 8 बोरे मच्छरदानी, 12.5 टन आलू, 25 टन आटा, 1360 पेटी पानी की बोतलें सहित अन्य वस्तुएं शामिल हैं। इन ट्रकों के साथ जिला परिषद की सीईओ डॉ. किरण सिंह और बीजेपी के पदाधिकारी नरेश बेनीवाल, अमरजीत कोहली और जगबीर आर्य भी रवाना हुए।

पानीपत। मंत्री कृष्ण पंवार, विधायक प्रमोद विज, भाजपा जिलाध्यक्ष दुष्यंत भट्ट आदि राहत सामग्री से लदे ट्रकों को पंजाब रवाना करते हुए। फोटो : हरिभूमि

हमेशा मदद को तैयार है पानीपत

शहरी विधायक प्रमोद विज ने कहा कि राहत सामग्री जुटाने में प्रशासन ने अहम भूमिका निभाई है। बहुत कम समय में उपायुक्त डॉ. विरेंदर कुमार दहिया के प्रयासों से यह सामग्री इकट्ठी की गई। जिला भाजपा अध्यक्ष दुष्यंत ने कहा कि इस संकट की घड़ी में पानीपत पूरी तरह पंजाब के साथ खड़ा है। उपायुक्त डॉ. दहिया ने जिला वासियों का इस राहत सामग्री को जुटाने के लिए धन्यवाद और आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि पानीपत हमेशा देश और समाज के लिए खड़ा रहता है। इस अवसर पर एडीसी डॉ. पंकज यादव, एसपी भूपेंद्र सिंह, सांसद प्रतिनिधि गजेंद्र सलूजा, ईश कुमार राणा, रंजीता कौशिक, नवीन भाटिया आदि भाजपा नेता व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आर्य पीजी कॉलेज में प्रतिभा खोज कार्यक्रम का शानदार आयोजन

झिझक छोड़कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करें विद्यार्थी: विवेक

विवेक चौधरी ने कहा कि केवल शिक्षा की डिग्री ही काफी नहीं है, विद्यार्थी अपने अंदर के छिपे कलाकार को भी पहचानें और मन लगाकर मंच पर उस कलाकार को तराशने का काम भी करें।

हरिभूमि न्यूज ⏭पानीपत

आर्य पीजी कॉलेज में मंगलवार को प्रतिभा खोज कार्यक्रम का शानदार आयोजन किया गया। कॉलेज के विद्यार्थियों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। आयोजन में विशेष अतिथि के तौर पर पानीपत के एसडीएम मंदीप, पानीपत म्युनिसिपल कमेटी के कमिश्नर विवेक चौधरी, पानीपत शहर के डीएसपी ट्रैफिक सुरेश सैनी के साथ ज्वाइंट कमिश्नर म्युनिसिपल कमेटी पानीपत के संजय ने भी शिरकत की।

कॉलेज प्राचार्य डॉ. जगदीश गुप्ता, उपाचार्या डॉ. अनुराधा सिंह, सांस्कृतिक गतिविधियों के डायरेक्टर डॉ. रामनिवास सिंह सहित अन्य स्टॉफ सदस्यों ने ओ.पी. शिंगला सभागार में प्रतिभा खोज कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया और विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

वहीं, कार्यक्रम में विशेष अतिथि के तौर पर शिरकत कर रहे पानीपत, म्युनिसिपल कमेटी के कमिश्नर विवेक चौधरी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि केवल शिक्षा की डिग्री ही काफी नहीं है, विद्यार्थी अपने अंदर के छिपे कलाकार को भी पहचानें और मन लगाकर मंच पर उस कलाकार को तराशने का काम भी करें। जबकि प्राचार्य डॉ.जगदीश गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि मंच पर न केवल विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ता है बल्कि विद्यार्थियों के संपूर्ण व्यक्तित्व का भी विकास होता है। वहीं, आर्य कॉलेज के प्रतिभावान विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत व प्राध्यापकों के कुशल मार्गदर्शन का ही परिणाम है कि महाविद्यालय पिछले 19 वर्षों से जोनल यूथ फेस्टिवल में ओवरऑल ट्रॉफी विजेता रहा है।

पिछले नौ वर्षों से महाविद्यालय की टीम ने इंटर जोनल युवा महोत्सव में भी ओवरऑल ट्रॉफी हासिल की है। वहीं, आर्य कॉलेज ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की ओर से कई बार भारत देश का प्रतिनिधित्व करते हुए साउथ एशियन इंटर यूनिवर्सिटी कंपीटिशन में भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

पानीपत। आर्य कॉलेज के विजेता विद्यार्थी, अथितियों के साथ प्रसन्न मुद्रा में। फोटो : हरिभूमि

पानीपत। कांग्रेस के जिलाध्यक्ष ग्रामीण रमेश मलिक प्रेस वार्ता करते हुए। फोटो : हरिभूमि

जनता की सेवा करने में भाजपा सरकार विफल: मलिक

पानीपत। कांग्रेस के पानीपत ग्रामीण जिलाध्यक्ष रमेश मलिक उग्राखेडी ने आरोप लगाया कि भाजपा ने चुनाव में जनता से किए गए भी वादे को पूरा नहीं किया। वहीं भाजपा की गलत नीतियों के कारण बेरोजगारी, भ्रष्टाचार व अपराध का ग्राफ तेजी से बढ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्त के नशे में चूर भाजपाई जनता का चौतरफा शोषण कर रहे है। पात्र जनता को सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा है। मलिक, शनिवार को ग्रामीण जिलाध्यक्ष पद ग्रहण करने के बाद पहली बार प्रेस वार्ता कर रहे थे। उन्होंने बताया कि पानीपत ग्रामीण जिला में इसराना, समालखा व पानीपत ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र आते है। उन्होंने दावा किया कि पानीपत ग्रामीण क्षेत्र में कांग्रेस का संगठन मजबूत है और हर वर्ग को कांग्रेस से जोड कर संगठन को और अधिक ताकत दी जाएगी। उन्होंने साफ किया कि कांग्रेस जनहित में भाजपा सरकार के खिलाफ अपना संघर्ष जारी रखेगी। बातचीत के दौरान उनके साथ पानीपत ग्रामीण से कांग्रेस के प्रत्याशी रहे सचिन कुंडू, विकास आहूजा, सत्यपा रोड, दीपक खटकड समेत बडी संख्या में कांग्रेसी उपस्थित रहे।

- पानीपत ग्रामीण क्षेत्र में कांग्रेस के संगठन को और मजबूत किया जाएगा

टीचर्स डे मनाया

पानीपत। एलएसबीटी स्कूल सोंधापुर में टीचर्स डे मनाया गया। जिसमें बच्चों ने अपने शिक्षकों के प्रति सम्मान और आभार प्रकट किया। वहीं, प्रधानाचार्य आशा सैनी ने कहा कि शिक्षक ही विद्यार्थियों के जीवन को सही दिशा देते हैं और उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव रखते हैं। इस अवसर पर स्कूल के चेयरमैन वीरेंद्र सैनी आदि मौजूद रहे।

378 वाहनों के काटे चालान

पानीपत। जिला यातायात पुलिस द्वारा यातायात के नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया है। यातायात पुलिस द्वारा अभियान के पहले दिन शुक्रवार को नेशनल हाइवे सहित विभिन्न स्थानों व मार्गों पर गहनता से चेंकिग की गई। ड्रंक एंड ड्राइव, लेन चेंज, प्रैशर हॉर्न, रॉग पार्किंग, बगैर नंबर प्लेट, रॉग साईड ड्राइविंग व दोपहिया वाहन पर ट्रिपल राइडिंग, बुलेट बाइक से पटाखे छोड़ना, बिना हेल्मेट और अन्य यातायात नियमों की उल्लंना करते पाए जाने पर 378 वाहनों के चालान किए व 17 को इंपाउंड किया गया। डीएसपी ट्रैफिक सुरेश सैनी ने बताया कि लापरवाह वाहन चालकों पर पुलिस का अभियान जारी रहेगा।

शहीद सूबे सिंह के बलिदान दिवस पर नमन किया

हरिभूमि न्यूज ⏭समालखा

भूतपूर्व सैनिक संगठन ने गांव डिकाडला में राजकीय उच्च विद्यालय में गांव के वीर बलिदानी शहीद सूबे सिंह का बलिदान दिवस मनाया गया। सूबे सिंह, पाकिस्तान के साथ हुए युद्ध में शहीद हुए थे। इधर, कार्यक्रम की शुरूआत शहीद सूबे सिंह की वीरांगना विद्या देवी ने दीपक जलाकर और शहीद की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर की। कार्यक्रम का आयोजन डिकाडला आदर्श ग्राम विकास समिति व स्कूल प्रबन्धक द्वारा आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में स्कूली बच्चों द्वारा प्रस्तुति दी गई। भूतपूर्व सैनिक संगठन के जिला प्रधान डॉ. सुदीप सांगवान ने कहा कि हमारे शहीद हमारी शान है। हमारा तिरंगा हमारे शहीदों की सांसों से लहराता है। मुख्याध्यापक सुनील कुमार द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी का धन्यवाद किया। इस अवसर पर जयराम, संदीप फौजी बुडशाम, सुबेदार धर्मपाल, राजेन्द्र शर्मा, कैप्टन सतबीर सहरावत, सत्यवान, समिति प्रधान रोहित, सोमबीर, जगबीर डिकाडला, यशपाल व विनय आदि मौजूद रहे। सभी ने शहीद सूबे सिंह को नमन किया।

समालखा। शहीद सूबे सिंह की वीरांगना विद्या को सम्मानित करते भूतपूर्व सैनिक संगठन के अध्यक्ष डॉ सुदीप सांगवान। फोटो : हरिभूमि

पौधे रोपकर मनाया नारी तू नारायणी का स्थापना दिवस

हरिभूमि न्यूज ⏭पानीपत

नारी तू नारायणी उत्थान समिति ने शनिवार को अपना दसवां स्थापना दिवस व शिक्षक दिवस गांव महाराणा के राजकीय स्कूल में पौधे रोप कर व केक काट कर मनाया। वहीं, समिति की सचिव नीता रानी ने बताया कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ व महिला सशक्तिकरण के साथ साथ गरीब और जरूरतमंद की सेवा के लिए भी हमारी समिति काम करती है।

पिछले 10 वर्षो में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ प्रधानमंत्री की योजना को सफल बनाने के लिए समिति भरपूर सहयोग कर रही है। जबकि निर्धन वर्ग के बच्चों को शिक्षा में सहयोग, अनाथ व बेसहारा बच्चों को समय समय पर खाद्य और पाठ्य सामग्री वितरित करती है। वहीं समिति ने इस स्कूल में पंखें लगा चुकी है। जबकि पौधरोपण निरंतर जारी रहता है। इस अवसर पर समिति की संरक्षिका शशि अग्रवाल, अध्यक्ष सविता आर्य, भावना, रिंकू, सीमा, सिल्की, सुनीता, राजेश, सुरिंदर, बीर सिंह के साथ विद्यार्थियों ने पौधे रोपे।

पानीपत। राजकीय स्कूल, गांव महाराणा में नारी तू नारायणी उत्थान समिति के पदाधिकारीगण पौधे रोपते हुए।

चोरी में तीन महिलाओं समेत चार चोर पकड़े

पानीपत। पानीपत के हुडा सेक्टर 25 पार्ट टू में स्थित गोदाम से बेडशीट के पार्सल चोरी करने वाले गिरोह की तीन महिलाओं सहित चार आरोपियों को शुक्रवार शाम को सीआईए श्री पुलिस टीम ने पकडा है। आरोपियों की पहचान इंद्रा कॉलोनी कच्ची फाटक निवासी नीलम, विद्या, सलमा व करनाल के गांव कोहंड निवासी विनोद के रूप में हुई है। सीआईए श्री प्रभारी इंस्पेक्टर विजय ने बताया कि चोरी की उक्त वारदात बारे थाना चांदनी बाग में सेक्टर 12 निवासी रितेश की शिकायत पर केस दर्ज है। वहीं, पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई7 662 बेडशीट बरामद की है।

ग्रीनमैन प्रो. दलजीत शिक्षक सम्मान से सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭पानीपत

देशबन्धु गुप्ता राजकीय महाविद्यालय पानीपत में सहायक प्रोफेसर इतिहास के पद पर कार्यरत ग्रीनमैन दलजीत कुमार को शिक्षक दिवस के अवसर पर सर्वपल्ली राधाकृष्णन की याद में शिक्षक सम्मान-2025 से हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंदर कल्याण ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

हरविंदर कल्याण ने कहा कि शिक्षक हमारे समाज की रीढ़ हैं, जो आने वाली पीढ़ी को संस्कार और ज्ञान का मार्ग दिखाते हैं। उनके योगदान से ही बच्चे एक अच्छे नागरिक बनकर देश की प्रगति में भागीदार बनते हैं। शिक्षक दिवस हमें यह याद दिलाता है कि शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं है, बल्कि जीवन जीने की कला भी सिखाती है। शिक्षक दिवस हमें यह अवसर देता है कि हम अपने शिक्षकों के त्याग और मार्गदर्शन को याद करें और उनके सम्मान में कृतज्ञता व्यक्त करें। उन्होंने सभी गुरुओं को हृदय से शुभकामनाएं और सम्मान अर्पित करते हुए कहा कि शिक्षकों को उनके अमूल्य योगदान के लिए नमन किया जाए। इधर, एसडीएम राजेश सोनी ने कहा कि शिक्षक वह दीपक हैं जो अज्ञान के अंधकार को मिटाकर समाज को उजाले की ओर ले जाते है।

पानीपत। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंदर कल्याण, ग्रीनमैन प्रो .दलजीत को सम्मानित करते हुए।

प्रभु का स्वरूप है शिक्षक

पानीपत। नूरवाला की मोती राम कालोनी स्थित मोहित पब्लिक स्कूल में टीचर डे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्रिंसिपल राजेन्द्र पाल ने कहा कि धरती पर भगवान का स्वरूप है शिक्षक। वहीं, उत्कृष्ट सेवा करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मधुबाला, सागर, पूजा, अनुसुधा, भूमिका, ममता, सिमरन, आरती, रोशनी आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

सत्य की राह पर चले इंसान

पानीपत। श्री सतगुरु धनी देवचंद्र की स्मृति में भव्य सत्संग समारोह सतगुरु रामरतन पारब्रह्म दरबार ट्रस्ट द्वारा किया गया। वहीं, आचार्य राकेश पांचाल ने सतगुरु के जीवन और उनके उपदेशों की जानकारी दी। सत्संग में राजनीता त्यागी, कुसुम धीमान, चीनू धीमान, चित्रा त्यागी, सत्यकुमार, सुधा शर्मा, निर्मला मलिक, वर्षा, पायल धीमान, ममता त्यागी, करेशना, सपना पांचाल, उषा त्यागी, इंदु धीमान, सुनील त्यागी, ब्रजमोहन त्यागी, मधु नरेश त्यागी, मुकेश, रजनीश गुप्ता, गौरव पांचाल, सौरभ पांचाल व गोसेवक नवीन प्रणामी आदि मौजूद रहे।

पानीपत। आईबी कॉलेज के विद्यार्थियों का रवाना करते प्राचार्या डॉ. शशि प्रभा मलिक।

आईबी कॉलेज के विद्यार्थियों ने कूड़े का निस्तारण का ज्ञान लिया

पानीपत। आईबी कॉलेज के कंप्यूटर विभाग एवं रसायन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को एक्सिगो रीसाइक्लिंग प्लांट, नूरवाला, पानीपत के लिए एक द्विवसीय इंडस्ट्रियल ट्रिप का आयोजन किया गया। प्रो अश्वनी गुप्ता, प्रो दीप्ति जुनेजा, प्रो गिन्नी की अगुवाई में बीसीए प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। प्राचार्या डॉ. शशि प्रभा मालिक ने दल को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए बताया कि इलेक्ट्रॉनिक कचरे (इ-वेस्ट) से मतलब किसी विद्युत या इलेक्ट्रॉनिक उपकरण से निकले कचरे से है जो पुराना, टूटा-फूटा, खराब या बेकार होने के कारण फैंक दिया गया हो। इसमें से कुछ चीजें री-प्रोसेस की जा सकती हैं किन्तु अन्य पूर्ण रूप से कचरा होती हैं। दोनों ही तरह के इलेक्ट्रॉनिक कचरे जैविक रूप से नष्ट होने योग्य नहीं (नॉन-बायोडिग्रेडेबल) होते हैं। इधर, एक्सिगो रीसाइक्लिंग प्लांट पहुंचने पर मैनेजिंग डायरेक्टर एवं चेयरमैन अशोक शर्मा, सचिन कुमार, जनरल मैनेजर दीपक कुमार एवं उनकी टीम ने दल का स्वागत किया प्लांट का भ्रमण करवाते हुए सभी जानकारी दी।

जैन श्रद्धालुओं ने बैंडबाजों के साथ जल यात्रा का भव्य आयोजन किया

इंसान की ज्ञान व शक्ति बढ़ाता है ब्रह्मचर्य: जैन

हरिभूमि न्यूज ⏭पानीपत

श्री दिगंबर जैन बड़ा मंदिर जैन मोहल्ला में जैन धर्म के सबसे पवित्र दसलक्षण पर्व का अंतिम दसवां दिवस उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म के रूप में और अनंत चतुर्दशी एवं भगवान वासुपूज्य निर्वाणोत्सव धूमधाम के साथ मनाया गया। दूसरी ओर, श्री दिगंबर जैन पंचायत के सचिव मनोज जैन ने बताया कि सभी को ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए।

वहीं, 'ब्रह्म' जिसका मतलब आत्मा, और 'चर्या' का मतलब रखना। ब्रह्मचर्य का मतलब अपनी आत्मा में रहना है। ब्रह्मचर्य का पालन करने से इंसान को पूरे ब्रह्मांड का ज्ञान और शक्ति प्राप्त होगी। वहीं, प्रधान सुनील जैन ने बताया कि पानीपत में शनिवार को भव्य जल यात्रा का आयोजन हुआ। वहीं, जल यात्रा में इंद्र बनने का सौभाग्य पंकज जैन, हितेश जैन, अधिवक्ता मेहुल जैन, विभोर जैन व नितिन जैन को प्राप्त हुआ। यह जल यात्रा बैंड बाजों के साथ नगर का भ्रमण करते हुए श्री दिगंबर जैन मंदिर जैन मोहल्ला में पहुंची, यहां पर विराजमान भगवान पार्श्वनाथ की बड़ी मूर्ति का मस्ताकाभिषेक आयोजित किया गया।

इधर, इंद्र बने अधिवक्ता मेहुल जैन ने बताया कि पिछले नौ दिनों से वह एकासना कर है और आज अनंत चतुर्दशी को उपवास रहा है। वहीं, उन्हें कई वर्षों के बाद इंद्र बनने का अवसर मिला। इस अवसर पर उपप्रधान सुरेश जैन, सचिव मनोज जैन, प्रबंधक पुनीत जैन, कोषाध्यक्ष सुशील जैन, दिनेश जैन, मनीष जैन, कुलदीप जैन, नरेंद्र जैन, मुकेश जैन, रूलियाराम जैन, भूपेश जैन, अपूर्व जैन, संदीप जैन, विकास जैन समेत बडी संख्या में जैन श्रद्धालु उपस्थित रहे।

पानीपत। जैन धर्म की जल यात्रा में भाग लेते भगवान इंद्र का स्वरूप बने श्रद्धालुगण। फोटो : हरिभूमि

खबर संक्षेप

सरकार ने ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल खोला

अंबाला। प्रदेश सरकार ने ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल खोल दिया है। इसके माध्यम से किसान मानसून सीजन 2025 के दौरान भारी वर्षा व जलभराव से हुई खरीफ फसलों की क्षति का दावा दर्ज कर सकते हैं। उपायुक्त अजय सिंह तोमर ने बताया कि यह पोर्टल 15 सितंबर 2025 तक खुला रहेगा। प्रभावित किसान निर्धारित समय-सीमा में अपने नुकसान का विवरण अपलोड कर सकते हैं।

चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना महेशनगर में दर्ज चोरी के मामले में पुलिस ने आरोपी अंकुश उर्फ धर्मी को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया है। शिकायतकर्ता अवतार सिंह ने 29 मई 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि आरोपी ने राम नगर अम्बाला छावनी में स्थित उसके घर से रसोई का सामान, बाथरूम से पीतल के पानी नल व नकद राशि चोरी की है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

घर से नकदी-मोबाइल चोरी का आरोपी दबोचा

अंबाला। थाना पंजोखरा साहिब में दर्ज चोरी के मामले में सीआईए-2 के पुलिस दल ने आरोपी रोहित कुमार उर्फ लाला को गिरफ्तार किया है। सीआईए-2 के निरीक्षक अनिल कुमार ने बताया कि शिकायतकर्ता जसप्रीत सिंह ने 15 अगस्त 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि आरोपी ने राज विहार कॉलोनी बरनाला में स्थित उसके घर से नकद राशि व 2 मोबाइल फोन चोरी किए है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

आरोपी दो दिन के रिमांड पर भेजा

अंबाला। थाना सेक्टर-9 में दर्ज नशा तस्करी के मामले में एएनसी ने मामले में संलिप्त एक अन्य आरोपी विजय कुमार को गिरफ्तार किया है। आरोपी को दो दिन के रिमांड पर लिया है। एएनसी के निरीक्षक ऋषि पाल ने बताया कि 3 सितंबर 2025 को पुलिस दल को सूचना मिली थी कि आरोपी मादक पदार्थों की तस्करी का कार्य करता है। तब पुलिस ने राधा स्वामी सत्संग भवन सौंडा के पास से आरोपी जोगिंद्र कुमार उर्फ मास्टर जी को 552 नशीले कैप्सूल्ज के साथ पकड़ा था। आरोपी के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया था।

अनुशासन को जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी

अंबाला। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय नंबर 2 में शनिवार को शिक्षक दिवस बड़े ही हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के उप प्राचार्य मनीष सेमवाल ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना से हुआ, जिसके पश्चात छात्रों ने कविताओं, गीतों और नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से अपने शिक्षकों के प्रति सम्मान व्यक्त किया। छात्रों ने शिक्षकों को सम्मानित कर उनके प्रति कृतज्ञता प्रकट की। उप प्राचार्य मनीष ने कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान का प्रसार ही नहीं करते, बल्कि जीवन मूल्यों और आदर्शों का भी संचार करते हैं। विद्यार्थियों को अनुशासन, मेहनत नैतिकता को जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी।

डीसी ने प्रतिनिधियों को हर संभव सहयोग का दिया आश्वासन

इंडस्ट्रियल एरिया में जलभराव से मशीनरी को भारी नुकसान, पंपों से हो रही निकासी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला। इंडस्ट्रियल एरिया के प्रतिनिधियों से बातचीत करते डीसी। फोटो :हरिभूमि

उपायुक्त अजय सिंह तोमर ने शनिवार को एसडीएम कार्यालय में इंडस्ट्रियल एरिया के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक लेकर जल भराव की स्थिति से निपटने के लिए किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने एचएसआईडीसी के कार्यकारी अभियंता व मैकेनिकल विंग से आए अधिकारियों को निर्देश दिए कि यहां पर डीजल पंपों के माध्यम से इंडस्ट्रियल एरिया में खड़े बरसाती पानी को ओमला नदी में डायवर्ट करें ताकि यहां से जल्द से जल्द बरसाती पानी की निकासी हो सके। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा लगातार इंडस्ट्रीयल एरिया के साथ-साथ जिन भी क्षेत्रों में अभी भी जल भराव है वहां पर पंपों एवं अन्य मशीनरी के माध्यम से बरसाती पानी की निकासी का कार्य किया जा रहा है ताकि लोगों को जल भराव की स्थिति से निजात दिलवाई जा सके। उपायुक्त ने कहा कि भारी वर्षा व पहाड़ी क्षेत्र से पानी आने के कारण टांगरी नदी का जल स्तर काफी बढ़ गया था। जल स्तर बढने के चलते टांगरी नदी का पानी ओवर फ्लो होकर इंडस्ट्रियल एरिया के साथ-साथ निचली कॉलोनियों जैसे विकास पुरी व सोनिया कॉलोनी व अन्य में घुस गया था। उन्होंने बैठक के दौरान इंडस्ट्रियल एरिया के प्रतिनिधियों से बातचीत करते हुए उनके नुकसान की जानकारी ली। उन्होंने यह भी कहा कि यदि उनकी लेबर वहां फंसी है तो उसे निकालकर धर्मशालाओं में आश्रय भी दिया जा सकता है। इस मौके पर इंडस्ट्रियल एरिया के प्रतिनिधियों ने उपायुक्त को बताया कि जल भराव होने के चलते उनकी इंडस्ट्रीज की कीमती मशीनरी को नुकसान हुआ है। अभी भी उनके यहां पर पानी खड़ा है। इस मौके पर एसडीएम विनेश कुमार, नायब तहसीलदार सुनील, कार्यकारी अभियंता बलदेव सिंह, इंडस्ट्रियल एरिया के प्रतिनिधि आशीष तायल, डॉ. आशावंत, सुभाष धीमान, सुरेश धीमान, आलोक सूद, रवि झाम, सुभाष मित्तल के साथ-साथ अन्य मौजूद रहे।

टांगरी जल स्तर भी घटा

उपायुक्त ने प्रतिनिधियों को पूरा भरोसा दिलाया कि प्रशासन उनके साथ खड़ा है। जो भी सहायता प्राथमिक स्तर पर उपलब्ध हो सकती है वह उन्हें मुहैया करवाई जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि इंडस्ट्रियल एरिया के साथ-साथ निचले क्षेत्रों में जहां पर पानी खड़ा है वहां पर पंपों के माध्यम से पानी निकालने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि टांगरी जल स्तर भी काफी कम हुआ है। उपायुक्त ने बैठक के दौरान एचएसआईडीसी के अधिकारियों के साथ-साथ मैकेनिकल विंग के अधिकारियों को भी निर्देश दिए कि वे बरसाती पानी की निकासी के लिए पंपों की संख्या बढाएं। यदि मार्केट से पंप हायर करने की आवश्यकता है उस कार्य को भी करें। यहां पर बड़े पाइप डालकर बरसाती पानी को ओमला नदी में डायवर्ट करें ताकि जल्द से जल्द यहां से बरसाती पानी को निकाला जा सके।

महिला सरपंच को दी जान से मारने की धमकी, मामला दर्ज

शहजादपुर। महिला सरपंच के मोबाइल पर वाट्सअप काल कर गाली गलौच व जान से मारने की धमकी के आरोप में पुलिस ने मामला दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश किया जहां से उसे जमानत मिल गई। बुर्ज शहीद गांव की महिला सरपंच ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया कि तीन अगस्त को बाद दोपहर मेरे मोबाइल पर वाट्सअप काल आई। काल करने वाले ने अपना नाम प्रदीप बताया और मुझसे गाली गलौच करने लगा। शिकायत में बताया कि कॉल करने वाला व्यक्ति अभद्र भाषा का प्रयोग करते कहने लगा कि घर बाहर निकलने पर मारने की धमकी देने लगा।

राजौंदः डॉ. सर्वपल्ली राधा कृष्णन की जयंती मनाई

राजौंद। किठाना कॉलेज ऑफ एजुकेशन में शिक्षक दिवस पर के अवसर पर महान दार्शनिक, शिक्षा शास्त्री और भारत के द्वितीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधा कृष्णन की जयंती के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान कॉलेज प्रांगण ज्ञान, सम्मान और संस्कारों की सुगंध से महक उठा। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलित कर मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पित कर किया।

शिविर में 53 ने रक्तदान कर कमाया पुण्य

■ रोटरी क्लब व रक्त सेवक परिवार ने लगाया शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

अंबाला। रक्तदानियों को सम्मानित करती बीके बहनें। फोटो :हरिभूमि

गांव उगाला में सुखपाल सीनियर सैकेंडरी स्कूल में रोटरी क्लब व रक्त सेवक परिवार की ओर से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस कैंप में 53 यूनिट रक्त एक्त्रित की गई। इस कैंप में महेश कुमार ने मुख्यतिथि के रूप में शिरकत की। राष्ट्रीय पंजाबी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक मेहता व नपा शाहाबाद के चैयरमैन गुलशन कवात्रा भी वशिष्ठ अतिथि के रूप में पधारे। यहां आए मेहमानों ने रक्तदानियों को बैज लगाकर उनका हौसला बढ़ाया। इस मौके पर मुख्यातिथि ने रक्तदान को मानवता का सर्वोच्च कार्य बताते हुए कहा कि रक्त की कोई फैक्ट्री नहीं है इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को स्वेच्छा से रक्तदान करना चाहिए। हमारे रक्त से किसी की जान बच सकती है और यही वास्तविक महादान है। कैंप में पहुंची ब्रह्माकुमारी सेंटर की सविता दीदी ने कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा दान है जिससे समाज में नई ऊर्जा और सकारात्मकता का संचार होता है। कार्यक्रम में रक्तसेवा परिवार व रोटरी क्लब के पदाधिकारियों ने रक्तदानियों को सम्मानित किया। दौरान रोटरी क्लब के प्रधान व स्कूल के प्रिंसिपल हरपाल सिंह, राकेश भल्ला, बलकार सिंह, राजेश धीमान, दिलप्रीत, इंद्रजीत सिंह, बहन सविता, बहन चेतना, राजकुमार सांगवान, , जसविंद्र, गुरजिंद्र कौर, अमरिंद्र सिंह, साहिल शर्मा, डॉ. पूजा कालड़ा आदि मौजूद रहे।

इंटरनेट पर उपलब्ध ज्ञान का अपार भंडार विद्यार्थियों को कर रहा भ्रमितः डॉ. निर्मल

■ राजकीय महिला महाविद्यालय में शिक्षक दिवस मनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| शहजादपुर

शहजादपुर। विजेता छात्र शिक्षकों के साथ। फोटो :हरिभूमि

राजकीय महिला महाविद्यालय में शिक्षक दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया गया। हिंदी विभाग अध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर डॉ. निर्मल सिंह ने बताया कि शिक्षक दिवस के अवसर पर हिंदी विभाग द्वारा स्लोगन लेखन, पोस्टर बनाओ तथा निबंध लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें महाविद्यालय की अधिकांश छात्राओं ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि इन प्रतियोगिताओं का उद्देश्य छात्राओं को शिक्षक की भूमिका से परिचित कराना है। उन्होंने कहा कि इंटरनेट पर उपलब्ध ज्ञान का अपार भंडार विद्यार्थियों को भ्रमित कर रहा है ऐसे में डिजिटल के दौर में शिक्षक की भूमिका और भी अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। प्राचार्य डॉ. कश्मीर सिंह ने कहा कि गुरु स्वयं जलकर दूसरों के जीवन को प्रकाशित व प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम के सहसंयोजक डॉ. चरणदास ने कहा कि भारत में गुरु शिष्य की अर्वाचीन परंपरा रही है। यह हमारी संस्कृति का आधार है। इन प्रतियोगिताओं में प्रोफेसर राजकुमार, डॉ. यश पाल, डॉ. निर्मल सिंह तथा डॉ. चरण दास ने बतौर निर्णायक निर्णय देते पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता में कुलदीप रानी, प्राची, हरमनजोत, पायल, रिजवाना खातून, स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में बेबी, अनुष्का, निशा, मन्नत, रजवाना खातून, प्रियंका तथा निबंध लेखन प्रतियोगिता में नीरू, नैंसी, नैंसी, पायल, रितिका, स्नेहा और बेबी को क्रमशः प्रथम द्वितीय तृतीय (संयुक्त रूप से) और सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया।

ऐतिहासिक गोगामेड़ी मेले में जुटी श्रद्धालुओं की भारी भीड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| शहजादपुर

वर्षों से लोगों की आस्था का केंद्र की ऐतिहासिक गोगामेड़ी में देर शाम को एक दिवसीय छडियों के मेले का आयोजन किया गया । इसमें आसपास व दूर-दराज से हजारों ही संख्या में श्रद्धालुओं ने पंहुचकर मत्था टेका व शीश नवाकर मन्नते मांगी। मेले में लगी भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। मेले में किसी भी तरह की स्थिति से निपटने के लिए थाना प्रभारी वीरेंद्र वालिया ने स्वयं कमान सम्भाली हुई थी।गोगामेड़ी के गद्दीनशी भगत तरसेम लाल ने बताया कि यह गोगामेड़ी लगभग 200 वर्ष से भी अधिक पुरानी है। यहां पर हरियाणा, पंजाब, हिमाचल, चण्डीगढ़, यूपी व दूर-दराज के अन्य राज्यों से भी श्रद्धालु अपनी मन्नतें मांगने आते हैं। मन्नत पूरी होने पर भेंट चढ़ाते हैं । उन्होंने बताया कि हर वर्ष यहां पर विशाल मेले का आयोजन किया जाता है जिसमें मन्नत उतारने वालों की काफी भीड़ होती है। श्रद्धालु सजी हुई छडियां लेकर ढोल नगाडों के साथ यहां आते हैं। अपनी भेंट चढ़ाकर जाहरवीर गोगा का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। भगत के अनुसार जो कोई भी यहां सच्ची श्रद्धा से मन्नत मांगता है उसकी मनोकामना अवश्य पूरी होती है। लोगों के अनुसार कस्बा में स्थित यह गोगामेड़ी बेहद पुरानी है । पुराने समय में गांव वालों के सहयोग से इसका निर्माण किया गया था।

बाढ़ पीड़ितों के लिए तत्काल मुआवजा-राहत पैकेज जारी करे सरकार

विधायक निर्मल सिंह ने बाढ़ प्रभावित मलौर-पंजोला का किया दौरा

■ लोगों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

■ उपरांत पूर्व मंत्री निर्मल सिंह ने कहा कि मूसलाधार बारिश और बाढ़ से अंबाला व उसके आस पास लगती इंडस्ट्री एक बार फिर ठप हो गई इंडस्ट्रियल एरिया, और आसपास के गांवों में फैक्ट्रियां डूबी हुई हैं

अंबाला शहर से कांग्रेस विधायक चौधरी निर्मल सिंह मोहड़ा ने शनिवारको बाढ़ से प्रभावित मलौर, पंजोला और ईस्माइलपुर गांवों का दौरा कर किसानों, मजदूरों और ग्रामीणों से मुलाकात की। उन्होंने लोगों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। प्रशासनिक लापरवाही पर ग्रामीणों के आक्रोश को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों से बात कर त्वरित समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने सरकार से मांग की कि पिछली बार बाढ़ से हुए नुकसान का जो मुआवजा अब तक नहीं दिया गया उसे तुरंत उपलब्ध करवाया जाए और इस बार हर प्रभावित परिवार को उनके वास्तविक नुकसान के अनुसार अधिकतम मुआवजा दिया जाए।

किसानों ने विधायक के समक्ष यह भी मांग रखी कि सरकार द्वारा क्षतिपूर्ति पोर्टल पर नुकसान दर्ज करने के लिए दी गई 15 सितंबर की अंतिम तिथि बहुत कम है। पानी की निकासी और वास्तविक क्षति का आकलन इस अवधि में संभव नहीं है। समय सीमा को 1 महीने और बढ़ाया जाए। चौधरी निर्मल सिंह ने किसानों को आश्वासन दिया कि उनकी यह माँग वे सरकार तक पहुंचाएंगे और इस पर सकारात्मक कार्रवाई करवाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि लगातार हो रही बारिश और संभावित बाढ़ से आगे भी नुकसान बढ़ सकता है, इसलिए पोर्टल पर दावे दर्ज करने की अवधि बढ़ाना नितांत आवश्यक है। इसी दौरे के उपरांत पूर्व मंत्री निर्मल सिंह ने कहा कि मूसलाधार बारिश और बाढ़ से अंबाला व उसके आस पास लगती इंडस्ट्री एक बार फिर ठप हो गई है, इंडस्ट्रियल एरिया, और आसपास के गांवों में फैक्ट्रियां डूबी हुई हैं। करोड़ों रुपयों का माल और मशीनें खराब हो गई।

बराड़ा। गांव में जागरूकता रैली निकालते स्कूली बच्चे।

निरक्षरता दूर करने के लिए किया प्रेरित

बराड़ा। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय एवं राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक पाठशाला थंबड में शनिवार को उल्लास कार्यक्रम के अंतर्गत जागरूकता रैली और नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन प्रधानाचार्या मनभवानी भल्ला के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे साक्षरता अभियान को गति प्रदान करना रहा। विद्यार्थियों ने रैली निकालकर विभिन्न साक्षरता संबंधी नारे व स्लोगन के माध्यम से ग्रामवासियों को निरक्षरता दूर करने के लिए प्रेरित किया। स्कूली बच्चों ने ग्रामीणों को नुक्कड़ नाटक के जरिए भी सभी को साक्षरता आंदोलन से जुड़ने और इसे सफल बनाने की अपील की। इस मौके पर बच्चों के साथ-साथ विद्यालय के प्राध्यापक राजेश कुमार, कुलदीप सिंह, योगेश कुमार, नरेंद्र कुमार, नरेश कुमार, सुरेश कुमार, बलराम, अनुज कुमार, निर्भय सिंह, चेष्टा, रुचिका और अनु आदि भी उपस्थित रहे।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित किया कार्यक्रम

शिक्षक दिवस पर 26 स्कूलों के टीचर्स को किया गया सम्मानित

मोटिवेशनल स्पीकर ब्रह्माकुमार राकेश मेहता ने ब्रह्माकुमारी एजूकेशन विभाग के द्वारा कि जाने वाली सेवाओं के बारे में विस्तृत जानकारी देते कहा कि ब्रह्माकुमारी एकमात्र ऐसा ईश्वरीय विश्वविद्यालय है जहां पर आध्यात्मिक शिक्षा देकर मनुष्य को देवता बनने की शिक्षा दी जाती है ।

शिक्षक ज्ञान संस्कार और प्रेरणा के स्त्रोत विषय पर विशाल भव्य कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला। टीचर्स डे पर सम्मानित किए गए शिक्षक। फोटो :हरिभूमि

अंबाला छावनी के दयालबाग स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय शनिवार को शिक्षक दिवस के शुभ अवसर पर शिक्षक ज्ञान संस्कार और प्रेरणा के स्त्रोत विषय पर विशाल भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन व कुमारी मनरूप के सरस्वती वंदना से की।

सभी टीचर्स का स्वागत पुष्प गुच्छ देकर मस्तक पर शीतल तिलक लगा व बैज लगाकर गोल्डन चुन्नी पहनाकर किया। मोटिवेशनल स्पीकर ब्रह्माकुमार राकेश मेहता ने ब्रह्माकुमारी एजूकेशन विभाग के द्वारा कि जाने वाली सेवाओं के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि ब्रह्माकुमारी एकमात्र ऐसा ईश्वरीय विश्वविद्यालय है जहां पर आध्यात्मिक शिक्षा देकर मनुष्य को देवता बनने की शिक्षा दी जाती है। समारोह में मुख्य अतिथि ब्लॉक शिक्षा अधिकारी मोनिका ने अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा की वे ब्रह्माकुमारी बहनों का धन्यवाद करती हैं। जिन्होंने उसे टीचर्स के साथ यहां बुलाकर कृतज्ञ किया। उन्होंने कहा वे यहां पर पहली बार आई हैं लेकिन ऐसा महसूस हो रहा है जैसे ये उनका अपना घर है। यहां का वातावरण बेहद ही मनमोहक है। मुख्य वक्ता राजयोग शिक्षिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी शैली दीदी ने अपने वक्तव्य में सभी टीचर्स का सम्मान करते हुए कहा की शिक्षक को नरम भाव होना चाहिए। इससे ईर्ष्या भाव भी नहीं आएगा क्योंकि करवाने वाला तो परमात्मा है। इससे सेवा भाव भी उत्पन्न होंगा। सेवा भाव से आत्मा निर्माण भाव वाली होंगी। निर्मल वाणी जिसमें किसी भी प्रकार का मल अर्थात मैल नहीं। इसका मुख्य उदाहरण ब्रह्माकुमारी की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि हैं जिन्होंने बड़े बड़े कार्यक्रम किए लेकिन निमित बनकर किए। उनकी वाणी निर्मल थी। शिक्षक का व्यक्तित्व ही बच्चों को बहुत कुछ सिखाएगा। बच्चों में संस्कार भरना शिक्षकों का जुनून होना चाहिए। दीदी ने कहा सभी शिक्षक रोज़ 5-10 मिनट अपने लिए ज़रूर निकाले। सुबह उठकर साइलेंस में बैठे और बच्चों को भी साइलेंस में बैठने का अभ्यास कराएं। शिक्षक केवल शिक्षा देने वाले नहीं है बल्कि बनाने वाले है।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
P-1
रोहतक , रविवार 7 सितंबर 2025

जब कोई अपना हो परेशान-तनावग्रस्त
कुछ देर रहने दें उसे अपने मन के साथ

हम सभी के जीवन में परेशानियां और तनाव के क्षण आते रहते हैं। ऐसे में कुछ लोग दूसरों से सलाह लेने में असहज महसूस करते हैं, वे नहीं चाहते कि उनसे कोई सवाल पूछा जाए। वे कुछ समय तक अपने मन के साथ एकांत रहना चाहते हैं। इस कंडीशन में हमें अपने अजीज की भावनाओं का सम्मान करना चहिए।

{ कवर स्टोरी / डॉ. मोनिका शर्मा }

बीते दिनों मशहूर कैनेडियन सिंगर जस्टिन बीबर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर खुलासा किया कि वह टूट चुके हैं। गुस्से की समस्या से जूझ रहे हैं। जस्टिन ने अपनी मानसिक सेहत को लेकर भी चिंता जताई। दुनिया भर में मशहूर इस सिंगर ने अपनी पोस्ट में लिखा कि 'लोग मुझे ठीक होने के लिए कहते रहते हैं। क्या आपको नहीं लगता कि अगर मैं खुद को ठीक कर सकता, तो मैं पहले ही कर चुका होता? मुझे पता है कि मैं टूट चुका हूं। मुझे पता है कि मुझे गुस्से की समस्या है। मैंने अपनी पूरी जिंदगी उन लोगों की तरह बनने की कोशिश की, जो मुझे कहते रहे कि मुझे उनके जैसा ठीक होना चाहिए। यही बात मुझे और ज्यादा थका देती है, ज्यादा गुस्सा दिलाती है।' अपनी एक दूसरी पोस्ट में जस्टिन यह भी कह चुके हैं कि 'मुझसे यह पूछना बंद करो कि मैं ठीक हूं या नहीं। मुझसे यह पूछना भी बंद करो कि मैं कैसा हूं? क्या कर रहा हूं? मैं जानता हूं कि हम सभी के लिए जीवन कठिन है। आइए हम अपने लोगों को प्रोत्साहित करें, न कि अपनी सुरक्षाओं को एक-दूसरे पर प्रोजेक्ट करें। हर बार आपकी चिंता देखभाल के रूप में सामने नहीं आती है। यह सिर्फ अजीब रूप से ऑप्रेसिव यानी चिंता और तकलीफ थोपने वाली भी हो सकती है।'

उचित नहीं ज्यादा सवाल-सलाह

असल में जस्टिन के विचार आम लोगों के लिए भी सार्थक सलाह लिए हैं। इस युवा और चर्चित चेहरे की बातें किसी अपने-पराए के जीवन में आई हैरान-परेशान करने वाली परिस्थितियों में हरदम कुछ पूछते रहने के बर्ताव पर लगाम लगाने की जरूरत को रेखांकित करती हैं। समझना आवश्यक है कि उलझाऊ हालातों में, क्या चल रहा है? कैसा चल रहा है? कैसे हो? खुश क्यों नहीं दिखते हो? या टेंशनफ्री होने-रहने का प्रयास करो। जैसी सलाहों और सवालों का दोहराव हमारे प्रिय की मुश्किलों को और बढ़ा देता है। पहले से ही तकलीफ के घेरे में आए मन को और पीड़ा देने लगता है। डगमगाते मन से जूझते युवा और सशंकित हो जाते हैं। अपने ही जीवन की दिशा को लेकर घेरने वाली ये शंकाएं-आशंकाएं और भटकाने वाली साबित होती हैं। साथ ही मन में आक्रोश भी उपजने लगता है, कभी खुद के प्रति तो कभी उन अपनों-परायों को लेकर, जो बिन मांगी सलाहें देते हैं। हर समय सवाल पूछते हैं। सही गाइडेंस की जरूरत बताते हुए पहले से ही उलझे-बिखरे दिलो-दिमाग को और भटकाते हैं। ऐसे दौर में किसी भी इंसान को थोड़ा समय देना सही रहता है। समस्याओं से जूझ रहा इंसान चाहता है कि कोई बेवजह सवाल ना पूछे। आते-जाते तसल्ली ना दे। बात-बात में कोई नसीहत कोई राय ना मिले। ऐसी बातें और बर्ताव मददगार बनने के बजाय मनोभावों को और उलझाते हैं।

संभलने का समय दें

मन हो या जीवन, किसी भी मोर्चे पर प्रतिकूल परिस्थितियों में पूछताछ करने वाले हमारे अपनों का इरादा हर बार गलत नहीं होता है। बावजूद इसके परेशान मन को संभलने का समय देने के

बजाय जांच-पड़ताल करते रहने का व्यवहार मन को ठेस पहुंचाता है। इसीलिए जान-पहचान वाले घर में किसी व्यक्ति की नौकरी छूट जाए। उम्मीद के मुताबिक परीक्षा का परिणाम ना आए। रिश्ते-नाते टूट जाएं या कोई हारी-बीमारी घेर ले तो ऐसे में उनकी निजता का सम्मान करना जरूरी है। आमना-सामना होने पर असहज महसूस करवाने वाले प्रश्नों के बजाय संभलने का समय देना चाहिए। बहुत से लोग दूसरों से अपना सब कुछ नहीं बताना चाहते। ऐसी परिस्थितियों में कोई गाइडलाइन देने के बजाय गंभीरता से उनकी मनःस्थिति को समझना एक अच्छा तरीका है। बेहतर महसूस करने के बाद वे स्वयं आपसे अपनी बात साझा करने की सोचेंगे। अगर नहीं तो यह उनका अधिकार है कि वे कितना और क्या दूसरों को बताना चाहते हैं? युवा पीढ़ी अपने निजी जीवन में दूसरों की ताक-झांक को ज्यादा पसंद नहीं करती। ऐसे में समझना आवश्यक है कि आपका संवाद

एकतरफा तो नहीं। आपके सवाल बहुत अधिक पर्सनल हुए तो अगले इंसान को असहज ही करेंगे। साथ ही बिन मांगी सलाह भी दूसरे के लिए भार और तनाव का कारण बन सकती है।

समझें तनावग्रस्त व्यक्ति की मनोदशा

आज के दौर में अधिकांश लोग जो कुछ भी अपनों-परायों, परिचितों-अपरिचतों से साझा करना चाहते हैं, वह वर्चुअल दुनिया में मौजूद होता ही है। ऐसे में निजी समस्याओं को खुद तक रखकर अपनी प्राइवेसी चाहने वालों को परेशान करना सही नहीं होता है। देखा जाए तो कई बार निजी संबंधों में दूरियां आने की बड़ी वजह जरूरत से अधिक ऐसी दखलंदाजी भी होती है। ठीक जस्टिन की तरह ही किसी को यह कहना कि 'मेरी तरह रहो, मेरे जैसे बनो या इस हाल में यह करो, वह करो।' किसी भी व्यक्ति, खासकर युवाओं को नहीं भाता। ऐसा व्यवहार जीवन में दूरियां और मन में शिकायतें बढ़ाता है। खासकर जब यह पता ही ना हो कि अगला इंसान किन हालातों से जूझ रहा है। कुछ बातों पर गौर करते हुए उसकी मनोदशा को समझने का प्रयास करना उचित है। आपसे जुड़ा इंसान अगर आई कॉन्टेक्ट किए बिना बात करे, आते-जाते बचकर निकलने की सोचे, पूछने पर कुछ भी स्पष्ट कहने से बचे या शब्दों को घुमा-फिराकर अपनी बात रखे तो समझ जाइए कि वह अपनी परिस्थिति और मनःस्थिति को बताने में सहज नहीं है। कुछ समय के लिए ऐसे लोगों को उनके हाल पर छोड़ देना चाहिए। उनके दिलो-दिमाग को रिकवर होने का वक्त मिलना ही चाहिए। आगे सही समय देखकर उनके साथ संवाद की राह बनानी चाहिए। *

यह सही है कि तकनीक और आधुनिक महानगरीय जीवनशैली ने बेशुमार सुख-सुविधाएं प्रदान की हैं। लेकिन इन पर आश्रित होकर हद से अधिक आलसी या निष्क्रिय बने रहना आपको शारीरिक, मानसिक रूप से बीमार बनाने के साथ ही सामाजिक रूप से एकाकी भी कर सकता है।

सही नहीं हद से अधिक निष्क्रियता

{ लाइफस्टाइल / चैतन्या }

हाल ही में सोशल मीडिया पर एक पोर्टर डिलीवरी एजेंट का वीडियो वायरल हुआ। वीडियो में उसने बताया कि उसे दो मिनट की दूरी पर पार्सल पहुंचाने का ऑर्डर आया। इसके लिए डिलीवरी एजेंट ने हंसी-मजाक के सहज अंदाज में ग्राहक को आलसी कहा। स्वयं पोर्टर डिलीवरी एजेंट द्वारा बनाए गए वीडियो में वह बताता है कि ऑर्डर एक ही अपार्टमेंट के टॉवर सी से उठाकर टॉवर ई में देना था। यह दूरी इतनी कम थी कि पैदल चलकर सिर्फ दो मिनट में तय की जा सकती थी। यही वजह है कि डिलीवरी एजेंट मजाकिया लहजे में कहता है कि 'ये लोग इतने आलसी हैं कि सिर्फ एक बिल्डिंग से दूसरी बिल्डिंग में सामान पहुंचाने के लिए भी खुद नहीं चल सकते, इसके लिए भी पोर्टर बुक कर रहे हैं।' देखा जाए तो यह वाकया हंसकर टाल देने भर का लगता है। गंभीरता से सोचा जाए तो हमारी बदलती जीवनशैली और दूसरों पर बढ़ती निर्भरता की कड़वी सच्चाई से रूबरू करवाता है। ऐसी सच्चाई जो छोटे-छोटे काम भी खुद न करने के बर्ताव को सामने रखती है। हमारे चारों ओर कसते जाते आलस के घेरे की बानगी है।

सेवाओं-सुविधाओं का विस्तारः हाल के बरसों में जिंदगी को सहज बनाने वाली सर्विसेस बढ़ी हैं। सामान भिजवाना हो या मंगवाना, इन सुविधाओं का एक बड़ा बाजार बन गया है। गौरतलब है कि आमतौर पर शहर बदलने पर लोग सामान शिफ्ट करने के लिए पोर्टर सर्विसेस का इस्तेमाल करते हैं। पोर्टर एप की मदद से किसी भी तरह के सामान को बाइक या छोटे वाहनों के जरिए एक जगह से दूसरी जगह तक आसानी से पहुंचा दिया जाता है। एक ही शहर में लंबी दूरी के लिए भी ऐसी सर्विसेस बहुत काम की होती हैं। यही वजह है कि मामूली दूरी के लिए भी किसी सामान को खुद पहुंचाने की जहमत ना उठाने के बर्ताव से जुड़ा यह वाकया अजीब लगता है। चिंताजनक यह है कि ऐसी सर्विसेस पर निर्भर होने वाले लोगों के आंकड़े तेजी से बढ़ रहे हैं। सेवाओं-सुविधाओं का यह विस्तार खुद इंसानों के मूवमेंट को समेटने लगा है।

निर्भरता की अति के नुकसानः व्यस्त जीवनशैली, तकनीकी विस्तार और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की बढ़ती पहुंच के चलते ऐसी बहुत सी सुविधाओं पर डिपेंडेंसी बढ़ी है। व्यस्तता के साथ-साथ एक पहलू यह भी है कि अपने-अपने कोजी कॉर्नर में बैठे लोग अब सब्जी तक लेने घर से बाहर नहीं जाना चाहते। क्लिक भर में ऑर्डर कर फ्री हो जाने का काम सुविधाजनक लगने लगा है। अफसोस कि यह स्थिति शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य पर तो नेगेटिव असर डालती ही है, सामाजिक फ्रंट पर भी इसके कई नुकसान हैं। फूड डिलीवरी एप्स के जरिए दस मिनट में कुछ भी मंगा लेने की सुविधा लोगों में हरदम कुछ ना कुछ खाते रहने की आदत भी डाल रही है। बहुत से लोगों को ऑनलाइन शॉपिंग की लत लग रही है। अनचाहा सामान भी ऑर्डर किया जा रहा है। देखा जाए तो यह स्थिति साइकोलॉजिकल निर्भरता बढ़ने से जुड़ा पहलू भी लिए है। जिसका मेंटल हेल्थ पर भी बुरा असर पड़ता है। धीरे-धीरे आलस के कारण हर तरह की रचनात्मकता और सक्रियता भी खत्म होने लगती है। चिंता, अवसाद और तनाव जैसी प्रॉब्लम्स जड़ें जमाने लगती हैं। सब कुछ घर बैठे ऑर्डर कर देने की आदत हो जाए तो सामाजिक गतिविधियों में भी भागीदारी कम होने लगती है। इसीलिए इस तरह की डिपेंडेंसी की सीमा तय करना आवश्यक है।

किसी बहाने बने रहें सक्रियः कोई भी सुविधा जब आदत बनकर हद से ज्यादा निर्भर बनाने लगे तो चेत जाना चाहिए। जरूरत से ज्यादा निर्भर होना केवल सुविधा का लाभ लेना भर बल्कि अपनी क्षमताएं खो देने के हालात पैदा करता है। इसीलिए सक्रिय बने रहना जरूरी है। अपने काम-काज निपटाने के लिए एक्टिव रहना शारीरिक ही नहीं मानसिक और सामाजिक रूप से सक्रिय रहने से भी जुड़ा है। आस-पास के बाजार तक जाना या आस-पड़ोस के किसी घर में कोई सामान लेने या पहुंचाने जाना इंसानी जीवन का सहज हिस्सा रहा है। इन एक्टिविटीज से सामाजिक संबंध बनते हैं। एक्टिव रहने के बहाने तलाशिए। हर काम के लिए उपलब्ध सुविधाओं के इस दौर में खुद को निष्क्रियता से बचाने के लिए खास कोशिशें करने की दरकार है। *

आमतौर पर आंसू बहाने को कमजोरी की निशानी और न रोने वाले को कठोर हृदयी मान लिया जाता है। लेकिन वास्तव में आंसू केवल मन की अभिव्यक्ति होते हैं, जो कई बार हमारे मन का उपचार भी करते हैं।

आंसुओं से बयां होती है मन की सच्ची हकीकत

{ इमोशंस / अंतरा पटेल }

कई लोग ऐसे होते हैं, जिन्हें आसानी से रोना नहीं आता है। उनके किसी रिलेटिव या करीबी की डेथ हो जाए तब भी नहीं रोते। जब उनका कहीं अपमान हो जाए या उन्हें गहरा सदमा लगे या कोई गंभीर नुकसान हो जाए वे तब भी नहीं रोते। जिन अवसरों जैसे-अंतिम संस्कार, विदाई या भावनात्मक फिल्म देखते हुए, जब अधिकतर लोग रोते हैं, उन पर भी उनके आंसू नहीं छलकते। हालांकि उनकी आंखों में आंसू होते हैं, लेकिन वो आंखों से छलकते नहीं। तो क्या इससे यह साबित होता है वे भावनाशून्य इंसान होते हैं? शायद ऐसे ही कठोर या कहें मजबूत मन वाले लोगों के लिए सुदर्शन फाकिर ने यह शेर कहा है, 'आप कहते थे कि रोने से न बदलेंगे नसीब/उम्र भर आपकी इस बात ने रोने न दिया।' इनसे उलट कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जो अपनी भावनाओं को, आंसुओं को छिपाते नहीं हैं। जैसे एक बार टेनिस स्टार अमांडा अनिसिमोवा विंबलडन फाइनल में हारने के बाद सबके सामने फूट-फूट कर रो पड़ी थीं। सैंकड़ों लोगों और कैमरों के जरिए पूरी दुनिया के सामने भी उन्होंने अपने आंसुओं को रोकने का प्रयास नहीं किया और न ही चेहरे पर दिखावटी मुस्कान लाने की कोई कोशिश की थी। कुछ लोगों को उनका ऐसे रोना, अजीब या कहें अनुचित लगा। लेकिन वास्तव में देखा जाए तो अमांडा के रोने में सच्चाई थी और बहादुरी भी। वास्तव में सबके सामने रोने वालों और न रोने वालों को लेकर समाज में अलग-अलग तरह की राय रखी जाती है।

मानते हैं कमजोरी का लक्षणः आमतौर पर रोने को, कमजोरी या अत्यधिक भावुकता या नियंत्रण के खोने से जोड़ते हैं। विशेषकर पुरुषों के संदर्भ में कहा जाता है कि 'मर्द रोते नहीं हैं।' बचपन में जब कोई लड़का रोता है तो उससे कहा जाता है, 'लड़कियों की तरह रोना बंद करो।' रोने को लड़कियों का एक्सक्लूसिव गुण मान लिया गया है। ऐसे जुमले केवल लड़कों या पुरुषों को नीचा दिखाने के लिए ही नहीं बल्कि लड़कियों या स्त्रियों का भी अपमान हैं। घर और स्कूल में बच्चों की इस सोच के साथ परवरिश की जाती है कि संयम (या बर्दाश्त) का अर्थ ताकत है और आंसू बहाना, कमजोरी या अस्थिरता की निशानी है।

गम-खुशी में छलकते हैं आंसूः वास्तव में रोना हमारी सोच और धारणा से कहीं अधिक जटिल है। यकीनन दुःख (जो किसी के निधन पर होता है) रोने का सबसे आम कारण है। लेकिन लोग कुंठा, पीड़ा, असफलता या भयंकर अपमान के कारण भी रोते हैं। इसी के साथ खुशी के आंसुओं को कैसे अनदेखा किया जा सकता है? शतरंज का विश्व कप (महिला) जीतने के बाद दिव्या देशमुख खुशी से रो पड़ी थीं। हालांकि वह जब पिछली प्रतियोगिता में हार गई थीं, तब नहीं रोई थीं, लेकिन विजयी होने पर रोईं। अकसर राहत, बड़ी सफलता, अत्यधिक खुशी भी दुःख जितना ही हमें भाव-विभोर कर देती है। बड़े-बड़े नेता, कलाकार, खिलाड़ी सार्वजनिक मंच पर रो पड़ते हैं। असम के बाढ़ पीड़ितों का हाल सुनाते हुए हेम बरुआ संसद में रोए थे। अपनी फेयरवेल स्पीच देते हुए क्रिकेटर राहुल द्रविड़ रोए थे। आंसुओं ने इन लोगों को छोटा नहीं कर दिया। आंसुओं ने उन्हें अधिक संवेदनशील मनुष्य और भावनाओं से जुड़ा हुआ साबित किया।

मन का उपचार करे आंसूः रोना दवा की तरह भी काम करता है। बड़े-बुजुर्ग कहते हैं कि रोने से गम हल्का हो जाता है। चिकित्सा विज्ञान भी यही कहता है, भावनात्मक आंसुओं में स्ट्रेस हॉर्मोन होते हैं। रोने से तनाव कम हो जाता है, नर्वस सिस्टम को आराम मिलता है और राहत का अहसास होता है। इसलिए लोग कहते हैं, 'रोने के बाद हल्का महसूस हो रहा है।' जापान में तो रोने के लिए क्लब भी बने हैं, जहां लोग साथ रोने के लिए एकत्र होते हैं। इस प्रथा को 'रुई-कत्सु' (आंसुओं की तलाश) कहते हैं।

कहने का सार है कि हमें आंसुओं को कमजोरी की निशानी के तौर पर नहीं देखना चाहिए कि व्यक्ति ने अपने ऊपर का नियंत्रण खो दिया है। बल्कि यह समझना चाहिए कि आंसू व्यक्ति की सच्ची अभिव्यक्ति है। आज जब हम सब दिखावे के युग में जी रहे हैं, बनावटी सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यमों पर। ऐसे संसार में सच्चे आंसू ही इंसान की सच्ची अभिव्यक्ति है, जो साबित करते हैं कि हम इंसान हैं। *

{ गीत / कृष्ण बिहारी }

क्या लिखोगे

देवता बनकर दिखोगे, क्या लिखोगे?
देवता बनकर लिखोगे, क्या लिखोगे?
सादगी से पूर्ण रचना एक भी तो जन नहीं पाए,
सच कहूं तो आदमी भी इसलिए तुम बन नहीं पाए।
खोजकर अमृत पियोगे, क्या लिखोगे?
देवता बनकर दिखोगे, क्या लिखोगे?
जो अहर्निश एक घातक विष पिएगा वह रचेगा,
छटपटाई मौत मरकर जो जिएगा वह बचेगा।
तुम शहीदाना जियोगे, क्या लिखोगे?
देवता बनकर लिखोगे, क्या लिखोगे?
कोरे कागजों पर तुमने बस चिड़िया उड़ाई है,
अबतलक समझे नहीं यह भी कि झूठी कमाई है।
रद्दियों जैसे बिकोगे, क्या लिखोगे?
देवता बनकर लिखोगे, क्या लिखोगे?

{ व्यंग्य / केदार शर्मा }

धीरे-धीरे ऐसे लोगों की संख्या में इजाफा होता जा रहा है, जिनके लिए रील अगर शमा है, तो वे उसके परवाने हैं। रील ही इनका धर्म, कर्म और मर्म है, जान है, मान है और सम्मान है। जिनका श्रम, समय और डेटा, सब कुछ रीलों पर कुर्बान है।

रील की झील में डूबते लोग

वैश्विक स्तर पर भारत डेटा उपयोग में दुनिया का नंबर एक देश बना हुआ है, यह समाचार अखबार में पढ़कर गर्व से मस्तक ऊंचा हो गया। दरअसल डेटा, स्क्रीन पर चलने वाली समस्त गतिविधियों का ईंधन है। अगर डेटा न हो तो स्क्रीन की हालत धोबी के कुत्ते जैसी हो जाए, जो न घर का रहता, न घाट का। इस समय डेटा का थोक में उपयोग सबसे लोकप्रिय गतिविधि रील बनाने और देखने में भरपूर हो रहा है। धीरे-धीरे ऐसे लोगों की संख्या में इजाफा होता जा रहा है, जिनके लिए रील अगर शमा है, तो वे उसके परवाने हैं। रील ही इनका धर्म, कर्म और मर्म है, जान है, मान है और सम्मान है। जिनका श्रम, समय और डेटा, सब कुछ रीलों पर कुर्बान है। सुबह बिस्तर से उठने से लेकर रात को सोने तक ये रील-रानी के संग ही उठते-बैठते हैं।

कई बार तो हैरतअंगेज रीलें देखकर दांतों तले अंगुली दब जाती है। प्री-वेडिंग शूटिंग में वर-वधु के बकरा-बकरी की आवाज निकाल कर उनके पोज में एक-दूसरे को प्रपोज करते हुए, क्लास रूम में डांस करती शिक्षिका की, गधे पर उल्टा बैठकर दौड़ाने वाली टाइप, एक से बढ़कर एक अनगिनत रीलें इंस्टाग्राम, यू-ट्यूब और फेसबुक के आकाश में बेरोक-टोक पतंगों की तरह मंडरा रही हैं। अभिव्यक्ति की बेलगाम, बेकाबू असीम और स्वच्छंद आजादी के एक साथ यहां दर्शन होते हैं। इनमें से ही कुछ लोग रील देखते-देखते रील बनाने में उस्ताद बन गए हैं। वे ही इनके प्रोड्यूसर हैं और वे ही कैमरामैन। खेत हो या खलिहान, छत की मुंडेर हो या रेल की ट्रैक, समंदर हो या बवंडर, जो जगह दिल को भाए, वही स्टूडियो बन जाता है। अभिनय के लिए पत्नी-बच्चे ही पर्याप्त हैं। दो से पांच मिनट की रील के लिए क्या स्क्रिप्ट, क्या पटकथा? जरूरत है तो बस चटपटे, हैरतअंगेज और कभी-कभी मूर्खतापूर्ण करतबों की, गालियों की, कंचन-काया की माया के दर्शन कराने और कमर लचकाने की। रीलों ने हर हाथ और हर आंख को काम थमा रखा है। अगर कोई रील खूब वायरल हो गई, तो कमाई भी बल्ले-बल्ले होती है। रीलों की इस दुनिया के आगे 'रीयल' दुनिया फीकी, नीरस और बेमजा लगने लगी है। संस्कारों की दुनिया में भले ही मंदी हो, पर रीलों के सितारों पर बुलंदी है। संस्कारों की थाली भले ही खाली हो, पर रीलों की थाली नित नए मसालेदार 'व्यंजनों' से मालामाल है।

यह कहना बहुत मुश्किल है कि रील को हम बना रहे हैं या रील हमें बना रही है। रील को हम चला रहे हैं या रील हमें चला रही है। एक बार बिना सेंसर की इस गाड़ी में बैठने के बाद ढलान पर लुढ़काती हुई यह हमें कहां ले जाकर छोड़ेगी, भगवान ही मालिक है। कहीं हम रील युग में तो प्रवेश नहीं कर रहे हैं? कुछ भी हो बिना विवेक का इस्तेमाल किए इसमें सफर करने की लत लग गई तो गत का बिगड़ना सुनिश्चित है। रील की इस झील में जो एक बार डूबता है तो बस डूबता ही चला जाता है। रील देखने और बनाने की दीवानगी इस कदर हर उम्र और वर्ग के लोगों पर हावी है कि जैसे उन्हें अपने आस-पास किसी की सुध-बुध ही नहीं रहती, जैसे उनका पूरा अस्तित्व स्मार्टफोन के तल पर टिका गया है। *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

निर्बंध-उदात्त प्रेम कविताएं

तसलीमा नसरीन जो भी लिखती हैं, वो निर्बंध, भयमुक्त और विचारों का नया आयाम खोलने वाला होता है। हाल में छपकर आई उनकी प्रेम कविताओं के अनुवाद की किताब 'यदि प्यार करो' में भी उनकी लेखनी का वही तेवर देख सकते हैं। वे प्रेम को मन की गहनतम अनुभूति मानती हैं, और इन्हें अभिव्यक्त करने से परहेज नहीं करती हैं। 'जब मेरे साथ तुम नहीं होते/मेरे साथ तब तुम सबसे ज्यादा रहते हो।' और 'तुम्हें देखने पर/मन करता है, शुरू से/शुरुआत करूं जीवन की।' जैसी भावप्रवण पंक्तियों के साथ ही वे इसकी जटिलता को भी बयां करती हैं 'कौन कहता है बहुत आसान है प्रेम/कि चाहो और हो जाए।' *

पुस्तकः यदि प्यार करो, **लेखिकाः** तसलीमा नसरीन, **अनुवादः** कल्लोल चक्रवर्ती,
मूल्यः 199 रुपए, **प्रकाशकः** राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

अगर आपकी है रचनात्मक लेखन में रुचि

अगर आप अपने आस-पास की बदलती दुनिया पर नजर रखते हैं। आप हटकर सोचते हैं, आपके भीतर विवेचन और लेखन की क्षमता है, आप पत्रकारिता-लेखन के प्रति प्रतिबद्ध हैं, तो जुड़िए दैनिक हरिभूमि से।
हमें दिल्ली में अपने फीचर विभाग के लिए आवश्यकता है-

- वरिष्ठ उप संपादक / उप संपादक
- प्रशिक्षु उप संपादक
- हिंदी टाइपिंग में कुशल ऑपरेटर भी आवेदन कर सकते हैं।

यथाशीघ्र अपना बायोडाटा मेल करें-
E-Mail: haribhoomifeaturedep@gmail.com

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश से एक साथ प्रकाशित

अगर आप घूमने-फिरने के शौकीन हैं, साथ ही रोमांचक और साहसिक गतिविधियों में भी आपकी रुचि है, तो वाइल्डरनेस टूर यानी रोमांचक-साहसी पर्यटन, आपके लिए परफेक्ट ट्रैवल-च्वॉइस हो सकती है। हाल के वर्षों में इसका ट्रेंड काफी बढ़ रहा है। इस ट्रेंड और इसके फायदों पर एक नजर।

एंज्वॉयमेंट-थेरेपी का कॉम्बो एडवेंचर ट्रैवलिंग का बढ़ता क्रेज

ट्रैवल ट्रेंड / अंशु सिंह

पर्यटकों की बदलती पसंद को देखते हुए ट्रैवल इंडस्ट्री में नित नए बदलाव होते रहते हैं। अब लोग सिर्फ घूमने-फिरने के लिए यात्रा नहीं कर रहे, बल्कि उन यात्राओं पर जाना पसंद कर रहे हैं जिसमें रोमांच के साथ थोड़ी मुश्किलों का भी सामना करना पड़ता है। यही वजह है कि इन दिनों ट्रैवल थेरेपी के तौर पर वाइल्डरनेस टूर को लोग प्राथमिकता दे रहे हैं। ट्रैवल कंपनियां भी ऐसे ट्रैवलर्स की जरूरतों का ध्यान रखते हुए साहसिक टूर पैकेज डिजाइन कर रही हैं।

ट्रैवलिंग का नया तरीका: जरूरी नहीं कि हर किसी को पहाड़ों पर चढ़ना, बर्फ पर स्केटिंग करना या मानसून के दौरान घने जंगलों में ट्रैकिंग करना पसंद हो। लेकिन इन दिनों ऐसी साहसिक यात्राओं को लेकर लोगों की खास दिलचस्पी देखी जा रही है। टूर एंड ट्रैवल से जुड़ी कई कंपनियां भी इस तरह के वाइल्डरनेस टूर (साहसिक यात्रा) पैकेज उपलब्ध करा रही हैं। वाइल्डरनेस टूर के दौरान टूरिस्ट को कुछ दिन या हफ्ते भर के लिए उजाड़ और बंजर इलाके में अकेले छोड़ दिया जाता है। वहां से वे खुद ही रास्ता ढूंढते हैं और बाहर निकलते हैं। टूरिस्ट वाइल्डरनेस टूर के लिए अपनी पसंद से देश या स्थान का चयन करते हैं, जैसे- कोई जंगल, रेगिस्तान, पहाड़ या ध्रुवीय इलाका आदि। पूरी दुनिया में इन दिनों ऐसी यात्राएं हो रही हैं। इनमें मंगोलिया, पेरू और आर्कटिक महासागर में नॉर्वे का द्वीप समूह स्वालबार्ड जैसे एडवेंचरस डेस्टिनेशन शामिल हैं।

कई डेस्टिनेशंस हैं मौजूद: हालांकि प्रतिकूल मौसम और दुर्गम स्थान संबंधी कारणों से आम पर्यटक इनसे बचते हैं। फिर भी एडवेंचर के शौकीन लोग इस तरह की साहसिक यात्राओं का लुत्फ जरूर उठाते हैं। अपने देश में वाइल्डरनेस टूर के इच्छुक पर्यटकों के लिए अनेक ट्रैवल डेस्टिनेशंस मौजूद हैं। वे हिमालय की तलहटी में बसे दार्जिलिंग की पहाड़ियों में ट्रैकिंग ट्रिप और रॉक क्लाइंबिंग कर सकते हैं। हिमाचल की पहाड़ियों में माउंटेनियरिंग पर जा सकते हैं या फिर राजस्थान के दूर तक फैले रेगिस्तान में ऊंट की सवारी की यात्रा को रोमांचकारी बना सकते हैं। इसके अलावा, वन्यजीव यानी वाइल्डलाइफ को देखना भी भारतीय साहसिक पर्यटन का प्रमुख हिस्सा है। देश के राष्ट्रीय उद्यानों में सफारी और जीप टूर की सुविधा भी प्रदान की जाती है। वाइल्डरनेस टूर एंड ट्रैवल पैकेज में स्कीइंग, पैराग्लाइडिंग, कैंपिंग और स्कूबा डाइविंग जैसी गतिविधियां भी शामिल होती हैं।

डेस्टिनेशन के हिसाब से आएगा खर्च: अगर आप भी वाइल्डरनेस टूर का हिस्सा बनना चाहते हैं, तो लग्जरी ट्रैवल कंपनियों की सेवाओं का फायदा उठा सकते हैं। ये कंपनियां ग्राहकों की पसंद के अनुसार, वाइल्डरनेस टूर पैकेज डिजाइन करती हैं। जैसा डेस्टिनेशन होगा, उसी अनुसार यात्रा का खर्च आएगा। विदेश की यात्रा करने पर ये खर्च लाखों में हो सकता है। जैसे, एक मशहूर ट्रैवल कंपनी ने 'गेट लॉस्ट' नाम से एक पैकेज डिजाइन किया है। इसके तहत यात्री खुद को खोजने में खो जाते हैं। दरअसल, उन्हें किसी अनजान इलाके में छोड़ दिया जाता है, जहां से उन्हें खुद ही बाहर निकलना होता है। कुछ वैसे ही जैसे 'मैन वर्सेज वाइल्ड' टीवी शो में बेयर ग्रिल्स किया करते हैं। हां, वाइल्डरनेस टूर के दौरान कंपनियां जीपीएस और सैटेलाइट ट्रैकर से अपने यात्रियों पर नजर रखती हैं, ताकि किसी परेशानी में उनकी मदद कर सकें। *

वाइल्डरनेस टूर के फायदे

वाइल्डरनेस ट्रैवलिंग को आज एक हीलिंग थेरेपी की तरह देखा जा रहा है। इसमें यात्री जब अकेले कठिन रास्तों से गुजरते हुए अपनी मंजिल तक पहुंचते हैं, तो उनका आत्मविश्वास कई गुणा बढ़ जाता है। इससे वे जिंदगी में आने वाली चुनौतियों का बेहतर तरीके से सामना करना सीख लेते हैं। इसमें न केवल रोमांच होता है, बल्कि शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य भी ठीक रहता है। तनाव कम होने से नई ऊर्जा का अनुभव करते हैं। प्रकृति के साथ रहने से उससे रिश्ता गहरा होता है। इसमें दुनिया घूमने का मौका मिलता है। नई जगहों और संस्कृतियों को जानने से क्रिएटिविटी भी बढ़ती है।

मुश्किल नहीं है कुछ भी अगर ठान लीजिए

दृढ़ इच्छा शक्ति, मेहनत और लगन के बल पर जीवन में कुछ भी हासिल किया जा सकता है। जीवन में सफलता पाने के कुछ गोल्डन रूल्स हैं, जिन्हें फॉलो करके मुश्किल से मुश्किल लक्ष्य को साधा जा सकता है।

सेल्फ मोटिवेशन / शिखर चंद जैन

महान संत स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को हमेशा निडर, कर्मठ और सकारात्मक सोच रखने की प्रेरणा दी। स्वामी जी कहा करते थे, 'जो भी करो पूरी लगन और एकाग्रता से करो। खुद को कमजोर समझना सबसे बड़ा पाप है।' युवाओं को प्रेरित और प्रोत्साहित करने के लिए दुनिया भर के विद्वानों और मोटिवेशनल स्पीकर्स ने समय-समय पर बड़ी कारगर, महत्वपूर्ण और उपयोगी बातें कही हैं। इनके बारे में आप भी जानिए।

जरूरी है सेल्फ कॉन्फिडेंस: अगर आप जीवन में सफल होना चाहते हैं तो खुद को दायरे में बांधना बंद करें और पूर्वाग्रह से मुक्त रहने की कोशिश करें। ऐसा कभी ना सोचें कि जो कभी आपके किसी मित्र या परिवार के किसी सदस्य ने नहीं किया वह आप भी नहीं कर सकेंगे। आपको अपनी क्षमताओं और कमियों को पहचानना होगा और खुद को इस योग्य बनाना होगा कि आप जो चाहे कर सकें।

न समझें खुद को कमजोर: डर हमें जीवन में कुछ नया नहीं करने देता। नई स्किल सीखने, चुनौतियां स्वीकार करने, नया प्रोफेशन या बिजनेस करने में असफल होने का जोखिम होता है। लेकिन इस जोखिम या असफलता के डर से कोशिश नहीं करना बिल्कुल भी सही नहीं है। जो खुद को कमजोर समझते हैं या डरते रहते हैं, वे जीवन में कुछ भी नया या बड़ा हासिल नहीं कर पाते हैं।

पुस्तक 'करेज एंड कॉन्फिडेंस एन एंथोलोजी' के लेखक नॉर्मन विंसेंट पील ने अपनी पुस्तक में लिखा है, 'डर लोगों को शारीरिक रूप से कमजोर बना देता है। किसी न किसी रूप में डर लोगों को वह हासिल करने से रोक देता है, जो वे जीवन में वाकई हासिल करना चाहते हैं।'

एकाग्र होकर काम करें: एक समय में एक काम करें और ऐसा करते समय अपनी पूरी ऊर्जा और ताकत उसमें डाल दें और बाकी सब कुछ भूल जाएं। आज के डिजिटल युग में विभिन्न माध्यमों से सूचनाओं और जानकारियों की बौछार ने हमारे मस्तिष्क की एकाग्रता को छीन लिया है। चाहे पढ़ाई-लिखाई करनी हो या वर्क प्लेस पर अपना हिसाब-किताब लिखना हो, अपने ग्राहक से डील करनी हो या फिर कोई प्रोडक्ट बनाना हो। आप कोई भी काम तभी ठीक से कर सकते हैं, जब आप उसे पूरी तरह एकाग्रचित्त होकर करें। पुस्तक 'हाइपर फोकस' के लेखक क्रिस बेली लिखते हैं, 'अगर आपको अपने चंचल चित्त को स्थिर करना है तो सबसे पहले फालतू चीजों पर अनफोकस करें।' वे कहते हैं कि आज हम बिना ध्यान बंटाए कंप्यूटर पर सिर्फ 40 सेकेंड ही लगातार काम कर पाते हैं। इस समय को बढ़ाकर ही हम अपना सर्वश्रेष्ठ दे सकेंगे। उन्होंने लिखा है, 'हाइपर फोकसिंग से ही हम अपना सबसे बेहतरीन संस्करण बन सकते हैं।'

समस्याओं को धैर्यपूर्वक हल करें: किसी समस्या के सामने आते ही अगर आप घबरा जाते हैं या हड़बड़ा जाते हैं तो जल्दबाजी में न सही उपाय सोच पाते हैं, न ही उसका हल निकाल पाते हैं। यहां तक कि आप अपने सच्चे और विश्वसनीय मददगार का नाम भी याद नहीं कर पाते। इस स्थिति में समस्या के एक ही हिस्से पर आपका नियंत्रण होता है और वह है आपकी प्रतिक्रिया। समस्याएं हमारे भीतर के सर्वश्रेष्ठ गुणों को बाहर निकालती हैं, क्योंकि मुसीबत में ही हम अपनी क्षमताओं के बारे में ठीक से सोच पाते हैं। पुस्तक 'थिंकिंग फास्ट एंड स्लो' के लेखक डैनियल कानमैन कहते हैं, 'जब आप चिंतित होने की बजाय किसी समस्या को रचनात्मक तरीके से हल करने की कोशिश करेंगे तो ज्यादा प्रभावशाली बनेंगे। परिणामस्वरुप आप खुद को पहले से ज्यादा बड़ी समस्याएं हल करने के लायक बना लेंगे।'

अनुशासन का पालन करें: स्वतंत्रता और मनचाहा करने की छूट लेना हमारे स्वभाव में होता है। लेकिन यह विवेकपूर्ण, संयमित और अनुशासन युक्त होनी चाहिए। यह आप पर निर्भर करता है कि आप सीमा में रहकर अपनी क्षमता से जीवन को उत्कृष्ट बनाएं या उसकी उपेक्षा करके अपने लिए दुख आमंत्रित करें। स्वच्छंदता वास्तव में स्वतंत्रता नहीं है। इसका परिणाम अन्ततः विनाश ही है। इस संदर्भ में बेस्ट सेलर पुस्तक 'द नाउ हैबिट' के लेखक नील फियोरे ने कहा है, 'दिमाग वही करना चाहता है जो उसे पसंद है। लेकिन जो व्यक्ति जीवन में अपने दिमाग की पसंद और सुविधा से चलता है वह कभी कुछ हासिल नहीं कर पाता।' इसलिए जरूरी कामों को टालने की बजाय प्राथमिकता से करना जरूरी है। *

बैंकिंग फ्रॉड से संबंधित घटनाएं आए दिन देखने-सुनने को मिलती रहती हैं। ऐसे में जरूरी है कि बैंक से संबंधित तमाम गतिविधियों के दौरान विशेष सावधानी बरती जाए। इसके लिए बैंक, एटीएम, यूपीआई और नेट बैंकिंग से संबंधित नियम जानना जरूरी है।

जरूर जानें एटीएम-यूपीआई नेट बैंकिंग से जुड़े रूल्स

अवेयरनेस / प्रभाकांत कश्यप

इन दिनों बढ़ती आर्थिक धोखाधड़ी और बैंकिंग फ्रॉड के मद्देनजर प्रत्येक उपभोक्ता को एटीएम, यूपीआई, नेट बैंकिंग और बैंकिंग से संबंधित अन्य नियम जानने जरूरी हैं। ये नियम भारतीय रिजर्व बैंक और बैंकों की ग्राहक सुरक्षा नीति के तहत आते हैं। इन बैंकिंग नियमों की जानकारी के अभाव में आप इकोनॉमिक फ्रॉड के शिकार बन सकते हैं।

जानें आरबीआई के नियम: इस नियम के तहत किसी भी सरकारी या शेड्यूल्ड प्राइवेट बैंक में अगर आपके किसी खाते से कोई धोखाधड़ी हो जाती है तो आपका नुकसान पूरी तरह से बच सकता है बशर्ते इस धोखाधड़ी के तीन दिन के भीतर आप अपने बैंक को इस धोखाधड़ी की लिखित सूचना दे दें। अगर आप बैंक को अपने साथ हुई धोखाधड़ी की सूचना तीन दिन के भीतर न देकर चार से सात दिनों के भीतर देते हैं तो आपके सेविंग अकाउंट में 5000 से 25 हजार तक का नुकसान हो सकता है। यदि आप सात दिन के बाद बैंक को धोखाधड़ी की सूचना देते हैं, तब तो आपका पूरा नुकसान, आपके ही खाते में जाएगा यानी बैंक आपके नुकसान की कोई भरपाई नहीं करेगा। इसलिए जब भी आपके साथ कोई बैंकिंग धोखाधड़ी हो जाए तो तुरंत बैंक के टोल फ्री नंबर पर कॉल करके बैंक को इसकी सूचना दें और अगले चरण के रूप में अपने नजदीकी बैंक शाखा में जाकर यही शिकायत लिखित में दर्ज करें। इसके साथ ही www.cybercrime.gov.in या हेल्पलाइन नंबर 1930 पर इस धोखाधड़ी की रिपोर्ट करा दें। शिकायत दर्ज कराने की तारीख, समय और संबंधित विवरण, जैसे एसएमएस, ईमेल या शिकायत भेजने संबंधी रसीद आदि सबूत के तौर पर अपने पास अवश्य रखें।

यूपीआई यूज करते समय रहें सावधान: यूपीआई पिन कभी भी किसी के साथ शेयर न करें। अगर कभी बैंक कर्मचारी भी इसकी मांग करता है, तो आपको उसे यह नहीं देना चाहिए, क्योंकि आरबीआई के नियम के तहत कोई बैंक का कर्मचारी अपने बैंक के ग्राहकों से यूपीआई पिन नहीं मांग सकता। अगर आपको रिक्वेस्ट मनी या कलेक्ट रिक्वेस्ट जैसी कोई सूचना मिलती है तो उसे ध्यान से चेक करें, गलती से अप्रूव करने पर आपके एकाउंट से पैसा कट सकता है और बैंक इसके लिए जिम्मेदार नहीं होगा। पर हां, अगर आपने कोई यूपीआई ट्रांजेक्शन किया है और ट्रांजेक्शन फेल हो गया है, लेकिन आपका पैसा कट चुका है तो तुरंत शिकायत करें। सामान्यतया तीन दिनों में अपने आप ही कटा हुआ पैसा वापस आ जाएगा।

एटीएम का इस्तेमाल: यदि एटीएम से पैसा निकालते समय पैसा न निकले और बैलेंस कट जाए तो तुरंत संबंधित बैंक से इसकी शिकायत करें। पांच कामकाजी दिनों के भीतर आपका पैसा वापस आ जाएगा। जहां तक एटीएम ट्रांजेक्शन लिमिट का सवाल है तो मेट्रो शहरों में हर बैंक ग्राहक को तीन ट्रांजेक्शन प्रतिमाह मुफ्त है। अगर आप किसी गैर मेट्रो शहर में रहते हैं तो आपको पांच बार किए गए ट्रांजेक्शन के लिए भी कोई फीस नहीं देनी पड़ती। लेकिन इससे ज्यादा बार की ट्रांजेक्शन पर बैंक की तय फीस देनी पड़ती है। अगर आपने एटीएम में ट्रांजेक्शन के दौरान तीन बार गलत पिन डाल दिया है तो 24 घंटे तक के लिए आपका खाता ब्लॉक हो जाएगा। 24 घंटे के बाद आप पुनः सही पिन डालकर एटीएम से ट्रांजेक्शन कर सकते हैं।

नेट बैंकिंग से संबंधित नियम: नेट बैंकिंग के लिए टू फैक्टर ऑथेंटिकेशन अनिवार्य हैं जैसे ओटीपी और पासवर्ड। अगर लंबे समय तक आपका नेट बैंकिंग अकाउंट एक्टिव नहीं रहता है तो आपके अकाउंट से ऑटो लॉग आउट हो जाएगा। हर तीन से छह महीने के भीतर आपको अपने नेट बैंकिंग अकाउंट का पासवर्ड चेंज कर लेना चाहिए। कभी भी ईजीली गेस या ब्रेक किए जा सकने वाले पासवर्ड न बनाएं।

बैंकों की जिम्मेदारी: धोखाधड़ी से संबंधित किसी भी रिपोर्ट को बैंक को दस कार्य दिवस में हल करना होता है यानी आप जो शिकायत करते हैं, उसकी जांच उन्हें दस दिन के भीतर करनी होती है। अगर बैंक दस दिनों तक आपकी रिपोर्ट पर जांच पूरी नहीं करती, तो कानून के हिसाब से वह आपके एकाउंट से हुई धोखाधड़ी की रकम पर ब्याज भी देगी। साथ ही बैंक आपके पैसे की सुरक्षा के लिए ओटीपी, एसएमएस अलर्ट, लिमिट सेटिंग, कार्ड ऑन/ऑफ फीचर देने के लिए भी बाध्य है। हर बैंक अपने ग्राहक को साइबर क्राइम की रिपोर्ट कराने के लिए 1930 नंबर पर तत्काल कॉल करने की सुविधा देती है ताकि धोखाधड़ी को तुरंत रोका जाए। इसके अलावा www.cybercrime.gov.in इस आधिकारिक ऑनलाइन पोर्टल पर आप ऑनलाइन रिपोर्ट कर सकते हैं। बैंक आपके दावे को सही माने, इसलिए एफआईआर या ऑनलाइन शिकायत का रसीद, कंफर्मेशन नंबर अपने पास रखना जरूरी है। *

आज से पितृ पक्ष आरंभ हो रहे हैं। पुराणों में इस दौरान अपने पूर्वजों को श्राद्ध एवं तर्पण के द्वारा तृप्त करने का विधान दिया गया है। इससे न केवल जीवन में शांति-समृद्धि आती है, पुरखों का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है।

पुरखों से पाएं सुख-शांति समृद्धि का आशीर्वाद

धर्म-कर्म / भूपेंद्र शर्मा

पितृ-पक्ष में हम पूर्वजों को याद करते हैं और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हैं। इन दिनों में हमें अपने मन को शांत एवं पवित्र रखकर पितरों के लिए बताए गए अनुष्ठान करने चाहिए। यदि हम ऐसा करते हैं तो पितृ प्रसन्न होकर हमें सुख, शांति एवं समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं।

पवित्र अवसर है पितृ-पक्ष: पितृ-पक्ष पूर्वजों के प्रति श्रद्धा एवं सम्मान प्रकट करने का एक विशेष, पवित्र अवसर है। पितृपक्ष काल में परिजन न केवल अपने पूर्वजों को याद करते हैं, बल्कि उनकी आत्मा की शांति एवं मुक्ति के लिए विभिन्न अनुष्ठान भी करते-कराते हैं। श्राद्ध-पक्ष में पितरों के प्रति श्रद्धा भाव से किए जाने वाले अनुष्ठानिक कार्य कल्याणकारी माने गए हैं।

पौराणिक मान्यता: पुराणों में वर्णित श्राद्ध कर्म द्वारा लोग पितरों-पूर्वजों का स्मरण कर, उन्हें श्रद्धा अर्पित करते हैं। अपने जन्म एवं जीवन दाताओं को याद करते रहना, इसके लिए उनका आभार प्रकट करना, पुत्र-पौत्रादि का धर्म है। निश्चित रूप से ऐसा कर मन को शांति मिलती है। गरुड़ पुराण के अनुसार जब किसी व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है, तो उसकी आत्मा तुरंत मोक्ष प्राप्त नहीं करती, बल्कि विभिन्न योनियों से होते हुए पितृलोक में पहुंचती है। यदि मृत्यु के बाद अंतिम संस्कार तथा उसके बाद के कर्मकांड ठीक से नहीं किए जाएं या हो पाएं, तो मृत-आत्मा भटकती है एवं अतृप्त रहती है। ऐसे में पितरों का अतृप्त आत्मा अपने वंशजों से रुष्ट हो जाती है। पितरों के अतृप्त आत्मा की स्थिति में परिवार में विभिन्न प्रकार की विघ्न-बाधाएं आती हैं, जिसे पितृ दोष कहा जाता है।

गरुड़ पुराण, मार्कंडेय पुराण एवं विष्णु पुराण जैसे ग्रंथों में श्राद्ध के महत्व को विस्तार से बताया गया है। इन ग्रंथों के अनुसार, पितृ-पक्ष के दौरान पितृ-गण पृथ्वी-लोक पर आते हैं तथा अपने वंशजों द्वारा किए गए तर्पण एवं श्राद्ध को स्वीकार करते हैं। जो व्यक्ति पूरी श्रद्धा से श्राद्ध करता है, उसे पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है, जिससे उसके जीवन में सुख, समृद्धि, आयु, यश, धन आदि की प्राप्ति होती है। मार्कंडेय पुराण में कहा गया है कि 'श्राद्ध से तृप्त होकर पितृ-गण श्राद्धकर्ता को दीर्घायु, संतति, धन, विद्या, सुख, राज्य, स्वर्ग एवं मोक्ष प्रदान करते हैं।' महर्षि सुमंतु के अनुसार, 'इस संसार में श्राद्ध से बढ़कर कोई दूसरा कल्याणप्रद कर्म नहीं है।'

ऐसे होते हैं पितृ प्रसन्न: पितरों को प्रसन्न रखने एवं उनका आशीर्वाद पाने के लिए पितृ-पक्ष में नियमानुसार कुछ विशेष कार्य तथा अनुष्ठान किए जाते हैं, जिनका विवरण शास्त्रों में मिलता है।

तर्पण: प्रतिदिन सुबह स्नान के बाद दक्षिण दिशा की ओर मुख कर जल में काला तिल, जौ एवं कुश मिलाकर तर्पण करना चाहिए। यह पितरों को जल अर्पित करने का एक उपाय है, जिससे उनकी प्यास बुझती है।

श्राद्ध की विधि: पितरों की मृत्यु तिथि के अनुसार श्राद्ध कर्म करना चाहिए। श्राद्ध के दिन किसी योग्य ब्राह्मण को आमंत्रित कर भोजन कराएं। भोजन में खीर, पूड़ी तथा पितरों की पसंद के सात्विक भोज्य पदार्थ शामिल करें।

पिंडदान: आटा, जौ, चावल एवं तिल से बने पिंडों को पितरों को अर्पित किया जाता है। बोध गया जैसे पवित्र तीर्थ-स्थलों पर पिंडदान का विशेष महत्व माना गया है। हालांकि यह कार्य निकटतम किसी भी पवित्र धार्मिक-स्थल, नदी, तालाब, कुंड, सागर कहीं भी किया जा सकता है।

दान-पुण्य: श्राद्ध-पक्ष में दान का विशेष महत्व है। दान करने से न केवल पितृ प्रसन्न होते हैं, बल्कि जीवन की परेशानियां भी दूर होती हैं। पितृ-पक्ष में दान के योग्य मानी जाने वाली निम्न वस्तुएं उचित मानी जाती हैं। इसमें आप अन्न, फल, चांदी का दान कर सकते हैं। श्राद्ध कर्म के दौरान भोजन का कुछ हिस्सा गाय, कौवे, कुत्ते एवं चींटियों को भी खिलाना चाहिए।

ये भी है जरूरी: पितृ-पक्ष के 15 दिनों तक सात्विक जीवन का पालन करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। पितृ-पक्ष के पंद्रह दिन परिवार में लहसुन, प्याज एवं मांसाहार का सेवन पूरी तरह से वर्जित होता है। इन दिनों ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए तथा अपने घर एवं मन दोनों को पवित्र रखें। प्रतिदिन शाम के समय घर की दक्षिण दिशा में सरसों के तेल का दीपक जलाना चाहिए। पीपल के पेड़ में दूध, काला तिल एवं जल चढ़ाएं। पीपल के पेड़ को पितरों का वास माना जाता है। पितृ स्त्रोत का पाठ करना भी पुण्यकारी होता है। *